सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

1. ऋग्वेदः

शास्त्री–परीक्षा, पंचमसत्रार्द्धम् (पंचमसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

प्रथमप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	ऋग्वेदसंहिता सायणभाष्यम्	(47) अध्यायः – 47	1	25
2.	ऋग्वेदसंहिता सायणभाष्यम्	(48) अध्यायः – 48	1	25
3.	सूक्तरत्नसंग्रहः	सम्पूर्णम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	ऋक्प्रातिशाख्यम्	पटलम् – 4	1	25
2.	ऋक्प्रातिशाख्यम्	पटलम् – 5	1	25
3.	ऋक्प्रातिशाख्यम्	पटलम् – 6	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

तृतीयप्रश्नपत्रम् (सर्ववेदसाधारणपत्रम्) शुक्ल यजुर्वेदवत

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	निरुक्तम्	अध्यायः – 7 सम्पूर्ण	1	25
2.	निरुक्तम्	अध्यायः – 8 सम्पूर्ण	1	25
3.	अर्थसंग्रहः	आदितः स्थानं निरूपणपर्यन्तम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

16/12/23

16/12/23

16.12.2023

16.12.23

(अ) 2

(पञ्चम सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सर्ववेदसाधारणपत्रम्) शुक्ल यजुर्वेदव्रत

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	कात्यायनशुल्वसूत्रम्	~~पूर्वार्द्ध~~ कण्डिका 1-2	1	25
2.	~~बृहद्देवता~~ कात्यायनशुल्वसूत्रम्	~~[illegible]~~ कण्डिका 3-4	1	25
3.	बृहद्देवता	[illegible] अध्यायः 1 सम्पूर्णम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

16/12/23

16/12/23

20/01/24

16.12.23

16.12.23

20.1.24.

20/1/24

20.1.24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी
2. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)
शास्त्री–परीक्षा, (पंचमसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

प्रथमप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	शुक्लयजुःमहीधरभाष्यम्	अध्यायः–8 सम्पूर्णम्	1	25
2.	शतपथब्राह्मणम् सायणभाष्यम्	प्रथमकाण्डस्य प्रथमाध्यायमात्रम्	1	25
3.	शुक्लयजुः महीधरभाष्यम्	अध्यायः–9 सम्पूर्णम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम्	अध्यायाः 1–	1	25
2.	शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम्	अध्यायाः ~~5–8~~ 02	1	25
3.	सूक्तरत्नसंग्रहः	विष्णुसूक्तं शान्त्याध्यायश्च	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

तृतीयप्रश्नपत्रम् (सर्ववेदसाधारणपत्रम्)

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	निरुक्तम्	अध्यायः–7 सम्पूर्णम्	1	25
2.	निरुक्तम्	अध्यायः–8 सम्पूर्णम्	1	25
3.	अर्थसंग्रहः	आदितः स्थाननिरुपण–पर्यन्तम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

सन्दर्भग्रन्थः– अर्थसंग्रहः– पण्डितराज पट्टाभिरामशास्त्री अर्थलोक संस्कृत टीका संवृतः गोविन्द वसावतिया

16/12/2023

पंचमसेमेस्टर

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सर्ववेद साधारणपत्रम्)

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	कात्यायनशुल्बसूत्रम्	कण्डिका–1–2	1	25
2.	कात्यायन शुल्बसूत्रम्	कण्डिका–3–4	1	25
3.	बृहद्देवता	अध्यायः–1 सम्पूर्णम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

16/12/2023 गोविन्द बल्लभतिथा

16.12.23

20.1.24

20.1.24

20/01/24

20/1/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

2. कृष्णयजुर्वेद

शास्त्री–परीक्षा, पंचमसत्रार्द्धम् (पंचमसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

प्रथमप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	तैत्तिरीयसंहितासायणरभाष्यम्	द्वितीयकाण्डस्य प्रथम प्रपाठकम्	1	25
2.	सूक्तरत्नसंग्रहः	सम्पूर्णम् ([illegible])	1	25
3.	तैत्तिरीयसंहिता·सायणभाष्यम्	द्वितीयकाण्डस्य द्वितीय प्रपाठकम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम्	1–2 अध्यायौ	1	25
2.	आपस्तम्ब शुल्बसूत्रम्	पूर्वार्द्धम्	1	25
3.	सत्याषाढीय शुल्बसूत्रम	पूर्वार्द्धम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

17.12.23
17-12-
17.12.23
अवनीश द्विवेदी
17-12-2023
17.12.23
20.1.24
20.1.24
20

'पाठ्यक्रम संशोधन 2'

तृतीयप्रश्नपत्रम् (सर्ववेद साधारणपत्रम्) शुक्लयजुर्वेदवत्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	निरुक्तम्	[redacted] अध्यायः - 7	1	25
2.	निरुक्तम्	[redacted] अध्यायः - 8	1	25
3.	अर्थसंग्रहः	आदितः [redacted] स्थान-निरूपण पर्यन्तम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	-	1	25

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सर्ववेद साधारणपत्रम्) शुक्लयजुर्वेदवत्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	कात्यानशुल्बसूत्रम्	[redacted] कण्डिका-1-2	1	25
2.	[redacted] कात्यायन शुल्बसूत्रम्	[redacted] कण्डिका-3-4 ([redacted])	1	25
3.	बृहद् देवता	[redacted] अध्यायः-1 सम्पूर्ण ([redacted])	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	-	1	25

सन्दर्भग्रन्थः- कात्यायनशुल्बसूत्रम् 'शशि हिन्दी टीका' प्रो. सुन्दर नारायण झा प्रकाशक- चौखम्भा ओरियण्टलिया

17.12.23

17.12.23

17-12-23

अवनीश द्विवेदी
17-12-2023

17.12.23

20.1.24

20.1.24

20/01/24

20/1/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृत विश्वविद्यालयः, वाराणसी

4. सामवेद

शास्त्री–परीक्षा, पंचमसत्रार्द्धम् (पंचमसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

प्रथमप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	सामवेदसंहितासायणभाष्यम्	पूर्वार्चिके चतुर्थाध्यायम्	1	25
2.	सामवेदसंहितासायणभाष्यम्	उत्तरार्चिकस्य 1–4 अध्यायः	1	25
3.	सूक्तरत्नसंग्रहः	पूर्वार्द्धम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	सामतन्त्रम् सभाष्यम्	पूर्वार्द्धम्	1	25
2.	ऋक्तन्त्रम् सभाष्यम्	पूर्वार्द्धम्	1	25
3.	सामवेदभाष्यभूमिका	पूर्वार्द्धम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

तृतीयप्रश्नपत्रम् (सर्वेषां साधारणपत्रम्) शुक्लयजुर्वेदवत्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	निरुक्तम्	[redacted] अध्यायः – 7 सम्पूर्णम्	1	25
2.	निरुक्तम्	अध्यायः – 8 सम्पूर्णम्	1	25
3.	अर्थसंग्रहः	[redacted] आदितः स्थानान्निरूपणपर्यन्तम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

(पञ्चम सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ([illegible]) शुक्लयजुर्वेद

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट	अंका
1	कात्यानशुल्बसूत्रम	[redacted] कण्डिका-1-2	1	25
2.	[redacted] कात्यायनशुल्बसूत्रम्	[redacted] कण्डिका-3-4 [redacted]	1	25
3	बृहद देवता	[redacted] अध्याय-1 सम्पूर्ण [redacted]	1	25
4	आन्तरिक मूल्यांकनम		1	25

16/12/23

16/12/23

16/12/23

16.12.23

16-12-23

20.1.24

20/01/24

20.1.24

20/1/2

सम्पूर्णानन्दसंस्कृत विश्वविद्यालयः, वाराणसी

अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)

शास्त्री–परीक्षा, पंचमसत्रार्द्धम् (पंचमसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

प्रथमप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	अथर्ववेदसंहितासायणभाष्यम्	5 काण्डम् (पूर्वार्द्धम्)	1	25
2.	अथर्ववेदसंहितासायणभाष्यम्	5 काण्डम् (उत्तरार्द्धम्)	1	25
3.	सूक्तरत्नसंग्रहः	[redacted]	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	अथर्ववेदसंहितासायणभाष्यम्	6 काण्डम् (पूर्वार्द्धम्)	1	25
2.	चतुरध्यायिका [illegible]	पूर्वार्द्धम्	1	25
3.	पृथ्वीसूक्तम् – [illegible] मिश्र	सम्पूर्णम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

तृतीयप्रश्नपत्रम् (सर्ववेद साधारणपत्रम्) शुक्ल यजुर्वेदवत्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	निरुक्तम्	[redacted] अध्यायः—7 सम्पूर्णम्	1	25
2.	निरुक्तम्	अध्यायः—8 सम्पूर्णम्	1	25
3.	अर्थसंग्रहः	[redacted] आदितः स्थान-निरूपणपर्यन्तम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

20.1.24 गोपाल रहाटे 17/12/2023 17.12.23 17-12-23 20.1.24 17.12.23 20/1

पञ्चमसेमेस्टर) (सर्ववेदसाधारणपत्रम्) शुक्लयजुर्वेदवत

10 (9)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	कात्यानशुल्बसूत्रम्	[redacted] कण्डिका –1-2	1	25
2.	[redacted] कात्यायनशुल्बसूत्रम्	~~द्वितीयाध्यायात्मकम्~~ कण्डिका-3-4 [redacted]	1	25
3.	बृहद देवता	[redacted] अध्याय-1 [redacted] सम्पूर्णम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

गोपाल रहरे 17/12/2023

17.12.23

17-12-23

17.12.23

20.1.24

20.1.24

20/01/24

20/1/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

6. वेदनैरुक्तप्रक्रिया

शास्त्री–परीक्षा, पंचमसत्रार्द्धम् (पंचमसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

प्रथमप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	यज्ञतत्त्वप्रकाशः	पूर्वार्द्धम्	1	25
2.	यज्ञतत्त्वप्रकाशः	उत्तरार्द्धम्	1	25
3.	पञ्चपाठपौरुषाध्याय	विकृति पाठः	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः	वैदिकवाङ्मयस्य विकासः	1	25
2.	वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः	वैदिकभाष्यभाष्याः कोशोद्भवः	1	25
3.	वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः	वैदिकशिक्षा ग्रन्थानां परिचयः	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

तृतीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	निरुक्तम्	3 अध्यायः	1	25
2.	निरुक्तम्	7 अध्यायः	1	25
3.	वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः	देवतावादपर्यालोचनम्	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

16/12/23 16.12.23 16.12.23 12/12/23 16.12.23 20/1

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	ऋग्वेदभाष्यभूमिका	पूर्वार्द्धम् (वेदोत्पत्ति... [illegible])	1	25
2.	ऋग्वेदभाष्यभूमिका	उत्तरार्द्धम्	1	25
3.	बृहद्देवता	~~प्रथमाध्याय (उत्तरार्द्धम्)~~ द्वितीय अध्याय	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

16.12.23

16/12/23

16.12.23

16/12/23

20.1.24

20/1/24

20/1/24

20.1.24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृत विश्वविद्यालय:, वाराणसी

पौरोहित्यम् / कर्मकाण्ड

शास्त्री–परीक्षा, पंचमसत्रार्द्धम् (पंचमसेमेस्टर)

पाठ्यक्रम:

प्रथमप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अंका:
1.	आचारेन्दु:	पूर्वार्द्धम्	1	25
2.	भारतीयकर्मकाण्डस्वरूपाध्ययनम्	प्रथमाध्याय: (पूर्वार्द्धम्)	1	25
3.	भारतीयकर्मकाण्डस्वरूपाध्ययनम्	प्रथमाध्याय: (उत्तरार्द्धम्)	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अंका:
1.	स्मृति कौस्तुभ:	पूर्वार्द्धम्	1	25
2.	निर्णयसिन्धु:	प्रथमपरिच्छेद: (पूर्वार्द्धम्)	1	25
3.	निर्णयसिन्धु:	प्रथमपरिच्छेद: (उत्तरार्द्धम्)	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्	–	1	25

तृतीयप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अंका:
1.	प्रायश्चित्त विवेक:	पूर्वभाग:	1	25
2.	प्रायश्चित्त विवेक:	मध्यभाग:	1	25
3.	प्रायश्चित्त विवेक:	उत्तरभाग:	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

16/12/23 16/12/2023 16.12.23 16-12-23 20.1.24

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	ऋग्वेदभाष्यभूमिका	पूर्वार्द्धम्	1	25
2.	ऋग्वेदभाष्यभूमिका	उत्तरार्द्धम्	1	25
3.	बृहद्देवता	प्रथमोऽध्यायः (पूर्वार्द्धम्)	1	25
4.	आन्तरिकं मूल्यांकनम्		1	25

16/12/23 16/12/2023

16/12/23 16-12-23 20/01/24

16.12.23 20.1.24 20/1/24

20.1.24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

साहित्यविभागः

शास्त्रिपरीक्षायां पञ्चमाधिसत्रम् (पञ्चम सेमेस्टर)

विषयः – साहित्यम्

प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
काव्यप्रकाशः	प्रथमोल्लासः	01	25
काव्यप्रकाशः (द्वितीयोल्लासः)	अभिधास्वरूपपर्यन्तम्	01	25
काव्यप्रकाशः (द्वितीयोल्लासः)	लक्षणस्वरूपादारभ्य 'लक्षणा तेन षड्-विधा' यावत्	01	25
आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		01	25

यप्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
काव्यप्रकाशः (चतुर्थोल्लासः)	प्रारम्भतः 'मुख्ये रसेऽपि तेऽङ्गित्वं प्राप्नुवन्ति कदाचन' यावत्	01	25
काव्यप्रकाशः (चतुर्थोल्लासः)	संलक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यध्वनिभेदादारभ्य 'भेदा अष्टादशास्य तत्' पर्यन्तम्	01	25
काव्यप्रकाशः (चतुर्थोल्लासः)	रसादीनामेकभेदप्रदर्शनतः चतुर्थोल्लाससमाप्तिम् यावत्	01	25
आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		01	25

2/1/24 03/01/2024 3/1/24 2-1-24 3-01-2024 3.1.24 03/01/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

साहित्यविभागः

शास्त्रिपरीक्षायां पञ्चमाधिसत्रम् (पञ्चम सेमेस्टर)

विषयः – साहित्यम्

तृतीयप्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	काव्यप्रकाशः (सप्तमोल्लासः)	आदितः वाक्यगत-अविमृष्टविधेयांशदोषवर्णनपर्यन्तम्	01	25
2	काव्यप्रकाशः (सप्तमोल्लासः)	पदांशगतदोषश्रुतिकटुतः अक्रमतावाक्यगतदोषपर्यन्तम्	01	25
3	काव्यप्रकाशः (सप्तमोल्लासः)	अर्थगतदोषतः सप्तमोल्लाससमाप्तिम् यावत्	01	25
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		01	25

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	काव्यप्रकाशः (नवमोल्लासः)	आदितः यमकालङ्कारवर्णनपर्यन्तम्	01	25
2	काव्यप्रकाशः (नवमोल्लासः)	श्लेषालङ्कारवर्णनतः पुनरुक्तवदाभासवर्णनम् यावत्	01	25
3	काव्यप्रकाशः (दशमोल्लासः)	आरम्भतः ससन्देहालङ्कारवर्णनपर्यन्तम्	01	25
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		01	25

3/1/24 2-1-24 3-01-2024 3.1.24

/2024 03/01/2024 03/01/24

(D)

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पुराणेतिहासविभाग:

शास्त्रिपरीक्षा, पञ्चम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्

पूर्णांक-७५+२५=१००

क्रेडिट-०४

क्र.	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
१	पुराणपर्यालोचनम्	अष्टादशपुराणपरिचयः (सात्विकराजस तामस:)	१	२५
२	श्रीमद्भागवतमहापुराणम् (पञ्चम-स्कन्ध:)	प्रथम-अध्यायतः त्रयोदश-अध्यायपर्यन्तम्	१	२५
३	श्रीमद्भागवतमहापुराणम् (पञ्चम-स्कन्ध:)	चतुर्दश- अध्यायतः षड्विंशति-अध्यायपर्यन्तम्	१	२५
४	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		१	२५

3.1.24 3/1/24 03/01/2024 S.K. Tripathi 3-01-2023 03/01/2024 03/01/24

पुराणेतिहासविभागः

शास्त्रिपरीक्षा, पञ्चम सेमेस्टर

द्वितीयपत्रम्

पूर्णांक-७५+२५=१००

क्रेडिट-०४

क्र.	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
१	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (सुन्दरकाण्डम्)	प्रथम-अध्यायतः दशम अध्याय-पर्यन्तम्	१	२५
२	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (सुन्दरकाण्डम्)	एकादशअध्यायतः विंशति- अध्याय - पर्यन्तम्	१	२५
३	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (सुन्दरकाण्डम्)	एकविंशति अध्यायतः पञ्चविंशति - अध्यायपर्यन्तम्	१	२५
४	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		१	२५

3.1.24 3/1/24 03/01/2024

03-01-2023

SK Tripathi

03/01/2024 03/01/24

पुराणेतिहासविभागः

शास्त्रिपरीक्षा, पञ्चम सेमेस्टर

तृतीयपत्रम्

पूर्णांक ७५+२५=१००

क्रेडिट ०४

क्र.	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
१	श्रीमद्भगवद्गीता (गूढार्थदीपिका)	द्वितीय-अध्यायः	१	२५
२	श्रीमद्भगवद्गीता (गूढार्थदीपिका)	द्वादशत्रयोदश-अध्यायौ	१	२५
३	श्रीमद्भगवद्गीता (गूढार्थदीपिका)	चतुर्दशपञ्चदश-अध्यायौ	१	२५
४	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		१	२५

Shastri Mishra

03/01/2024

3.1.24

03/01/2024

SK Tripathi 02.1.24

03/01/24

पुराणेतिहासविभागः

शास्त्रिपरीक्षा, पञ्चम सेमेस्टर

चतुर्थपत्रम्

पूर्णांक-७५+२५=१००

क्रेडिट-०४

क्र.	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
१	प्राचीनभारतस्येतिहासः	षष्ठतः अष्टमशताब्द्याः प्रमुखशासकाः तस्यशासनपद्धतिः एवम् घटनाक्रमः	१	२५
२	प्राचीनभारतस्येतिहासः	दशमतःद्वादशशताब्द्याः प्रमुखशासकाः तस्यशासनपद्धतिः एवम् घटनाक्रमः	१	२५
३	श्रीमद्भागवतमहापुराणम्	भगवतः अवतारस्यवर्णनम्	१	२५
४	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्		१	२५

03/01/2024

2.1.24

03/01/24

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रविभागः

सत्र - 2023-2024

शास्त्री परीक्षा - पञ्चमसत्रार्द्धम् (पञ्चम सेमेस्टर)

प्रस्तावित-पाठ्यक्रमः 'क' वर्ग

प्रथमप्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः - ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

...ाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१.	(क) कौटिलीयार्थशास्त्रम् (ख) राजनीतिरत्नाकरः - चण्डेश्वरविरचितम्	(क) (तृतीयमधिकरणम्) प्रथमाध्यायतः चतुर्थाध्याय पर्यन्तम् (१-४ अध्याय) (ख) प्रथमतरङ्गतः तृतीयतरङ्ग पर्यन्तम् (१-३ तरङ्ग)	१	२५
२.	(क) कौटिलीयार्थशास्त्रम् (ख) राजनीतिरत्नाकरः - चण्डेश्वरविरचितम्	(क) (तृतीयमधिकरणम्) पञ्चमाध्यायतः सप्तम-अध्यायपर्यन्तम् (५-७ अध्याय) (ख) चतुर्थतरङ्गतः षष्ठतरङ्ग पर्यन्तम् (४-६ तरङ्ग)	१	२५
३.	(क) कौटिलीयार्थशास्त्रम् (ख) राजनीतिरत्नाकरः - चण्डेश्वरविरचितम्	(क) (तृतीयमधिकरणम्) अष्टमाध्यायतः दशमाध्याय पर्यन्तम् - (८-१० अध्याय) (ख) सप्तमतरङ्गतः नवमतरङ्गपर्यन्तम् (७-९ तरङ्ग)	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

द्वितीयप्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः - ७५+२५=१०० (क्रेडि...

...ख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
.	कामन्दकीयनीतिसारः	त्रयोदशसर्गतः चतुर्दशसर्ग समाप्ति पर्यन्तम् (१३-१४ सर्ग) जयमङ्गलाटीकासहितम्	१	२५
.	कामन्दकीयनीतिसारः	पञ्चदशसर्गः प्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम् (१५ सर्ग) जयमङ्गलाटीकासहितम्	१	२५
.	कामन्दकीयनीतिसारः	षोडशसर्गः प्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम् (१६ सर्ग) (जयमङ्गलाटीकासहितम्)	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

(हस्ताक्षर) 08.01.24

(हस्ताक्षर) 8-1-24

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रविभागः

सत्र - 2023 - 2024

शास्त्री परीक्षा - पञ्चम सत्रार्द्धम् (पञ्चम सेमेस्टर)

प्रस्तावित-पाठ्यक्रमः 'क' वर्ग

प्रथमप्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः - ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१.	(क) कौटिलीयार्थशास्त्रम् (ख) राजनीतिरत्नाकरः चण्डेश्वरविरचितम्	(क) (तृतीयमधिकरणम्) प्रथमाध्यायतः चतुर्थाध्याय पर्यन्तम् (१-४ अध्याय) (ख) प्रथम तरङ्गतः तृतीयतरङ्ग पर्यन्तम् (१-३ तरङ्ग)	१	२५
२.	(क) कौटिलीयार्थशास्त्रम् (ख) राजनीतिरत्नाकरः चण्डेश्वरविरचितम्	(क) (तृतीयमधिकरणम्) पञ्चमाध्यायतः सप्तम-अध्यायपर्यन्तम् (५-७ अध्याय) (ख) चतुर्थतरङ्गतः षष्ठतरङ्ग पर्यन्तम् (४-६ तरङ्ग)	१	२५
३.	(क) कौटिलीयार्थशास्त्रम् (ख) राजनीतिरत्नाकरः चण्डेश्वरविरचितम्	(क) (तृतीयमधिकरणम्) अष्टमाध्यायतः दशमाध्याय पर्यन्तम् - (८-१० अध्याय) (ख) सप्तम तरङ्गतः नवमतरङ्गपर्यन्तम् (७-९ तरङ्ग)	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

द्वितीयप्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः - ७५+२५=१०० (क्रेडिट)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१.	कामन्दकीयनीतिसारः	त्रयोदश सर्गतः चतुर्दश सर्ग समाप्ति पर्यन्तम् (१३-१४ सर्ग) जयमङ्गलटीकासहितम्	१	२५
२.	कामन्दकीयनीतिसारः	पञ्चदश सर्ग प्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम् (१५ सर्ग) जयमङ्गलाटीकासहितम्	१	२५
३.	कामन्दकीयनीतिसारः	षोडश सर्ग प्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम् (१६ सर्ग) (जयमङ्गलाटीकासहितम्)	१	२५
४.	आन्तरिक मूल्यांकनम्		१	२५

08.01.24 8-1-2

शास्त्री-परीक्षा, पञ्चम सत्रार्द्धम् (पञ्चमसेमेस्टर)

पूर्णाङ्क:- ७५+२५=१०० (क्रेडिट

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अङ्का:
१.	शान्ति का अग्रदूत (भारतीयराजनीति शास्त्र का दिग्दर्शन) लेखक - पं॰ राजेश्वर शास्त्री द्राविड़	नीति और धर्म का लक्षण, दण्डों का वर्गीकरण, पौर्वात्य-पाश्चात्य नीति की तुलना, व्यवहार के ६ विशिष्ट मार्ग, सन्धि का मर्म, सन्धि के दो भेद	१	२५
२.	शान्ति का अग्रदूत (भारतीयराजनीति शास्त्र का दिग्दर्शन) लेखक-पं॰ राजेश्वर शास्त्री द्राविड़	सन्धि के प्रसंग में 'परलोक विश्वास', स्थिर संधि की विशेषता, नीति की उपादेयता का क्षेत्र, आरम्भिक 'धर्म' क्षात्रधर्म, क्षात्रधर्म और वर्णाश्रम धर्म।	१	२५
३.	शान्ति का अग्रदूत (भारतीयराजनीति शास्त्र का दिग्दर्शन) लेखक-पं॰ राजेश्वर शास्त्री द्राविड़	स्थिर संधि के चार (४) उपायों की समीक्षा भारतीय निर्वाचन शैली, उम्मीदवारों की गुणपरीक्षा क्या गुण परीक्षा आर्थिक वैषम्य जनक, भारतीय राजनीति का निर्बन्ध।	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

षष्ठप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्क:- ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अङ्का:
१.	भारतीय राजशास्त्र प्रणेता (मनु शुक्र-भीष्म-कौटिल्य-कामन्दक) लेखक-डॉ॰ श्यामलाल पाण्डेय	प्राचीन भारतीयराजशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास, मनु के राजनीतिक विचार, राज्य के उत्पत्ति के सिद्धान्त, दण्ड विधान, राजा का स्वरूप, मंत्रिपरिषद्, मंत्रिपरिषद् की सदस्य संख्या कार्यप्रणाली, व्यवहार से त्र धर्ममूल षाड्गुण्य मंत्र, शुद्ध निधान।	१	२५
२.	भारतीयराजशास्त्रप्रणेता (मनु शुक्र भीष्म, कौटिल्य कामन्दक) लेखक-डॉ॰ श्यामलाल पाण्डेय	भीष्म के राजशास्त्र सम्बन्धी विचार, राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त, राजा का स्वरूप, मन्त्रिय, व्यवहार स्थापन कार्य पुर जनपद, गणतंत्र पर भीष्म का मत।	१	२५
३.	भारतीयराजशास्त्रप्रणेता (मनु-शुक्र, भीष्म, कौटिल्य, कामन्दक) लेखक-डॉ॰ श्यामलाल पाण्डेय	शुक्र के राजनीतिक विचार, राजा का स्वरूप मंत्रिपरिषद् की सदस्य संख्या, कार्यप्रणाली कोश संग्रह के सिद्धान्त, न्याय प्रणाली।	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

२८.१.२४ ८-१-२४ ८.१.२४

तीय प्रश्न पत्रम्

पूर्णाङ्कः :- ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

ख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	(क) विदुरनीतिः (ख) नीतिवाक्यामृतम् - सोमदेवसूरिप्रणीतम्	(क) पञ्चमाध्याय प्रारम्भतः षष्ठाध्याय समाप्ति पर्यन्तम् (५-६ अध्याय) (ख) स्वामिसमुद्देशात् बल समुद्देशसमाप्ति पर्यन्तम् (१७-२२ समुद्देश)	१	२५
२	(क) विदुरनीतिः (ख) नीतिवाक्यामृतम् - सोमदेवसूरिप्रणीतम्	(क) सप्तमाध्याय प्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम् (७ अध्याय) (ख) मित्र समुद्देशात् व्यवहार समुद्देश समाप्ति पर्यन्तम् (२३-२७ समुद्देश)	१	२५
	(क) विदुरनीतिः (ख) नीति वाक्यामृतम् सोमदेवसूरिप्रणीतम्	(क) अष्टमाध्यायप्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम् (८ अध्याय) (ख) विवाद समुद्देशात् प्रकीर्णसमुद्देश समाप्ति पर्यन्तम् (२८-३२ समुद्देश)	१	२५
	आन्तरिक मूल्यांकनम्		१	२५

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्कः :- ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	(क) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (राजधर्मप्रकरणम्) (ख) नीतिमयूखः - नीलकण्ठभट्ट विरचितम्	(क) राजधर्मप्रकरणम् ३३६ श्लोकतः ३४६ श्लोक पर्यन्तम् (ख) राजपरिकरः, अमात्याः, मित्रम्, कोश, राष्ट्रम्, दुर्गम् पर्यन्तम्	१	२५
२	(क) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (राजधर्मप्रकरणम्) (ख) नीतिमयूखः नीलकण्ठभट्ट विरचितम्	(क) राजधर्मप्रकरणम् ३४६ श्लोकतः ३५५ श्लोक पर्यन्तम् (ख) बलम्, राज निरूपणम्, परिमाणमाह, अभियोक्ष्यो नृपः, दूताः मोक्षस्वरूपम् पर्यन्तम्	१	२५
३	(क) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (राजधर्मप्रकरणम्) (ख) नीतिमयूखः नीलकण्ठभट्ट विरचितम्	(क) राजधर्मप्रकरणम् - ३५६ श्लोकतः समाप्ति पर्यन्तम् (ख) शकुनाः, स्कन्धावारस्थलम्, सेनापति व्यूह-निरूपणम्, कुष्ठम् मोक्षोपदेशः, क्रीडा पर्यन्तम्	१	२५
	आन्तरिक मूल्यांकनम्		१	२५

08.01.24

8-1-24

नैकायिक: 'कम कार्य', प्राचीन भारतीय राजनीति,
आचार्य - परीक्षा, पञ्चमसत्रार्द्धम् (पञ्चमसेमेस्टर)

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्का:- ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अङ्का:
१.	शान्ति का अग्रदूत (भारतीय राजनीतिशास्त्र का निरूपण) लेखक - पं. राजेश्वर शास्त्री द्राविड	नीति और धर्म का लक्षण, दोनों का सम्बन्ध, भारतीय-पाश्चात्य नीति की तुलना, व्यवहार के विविध भाग, सन्धि का अर्थ, सन्धि के भेद	१	२५
२.	शान्ति का अग्रदूत (भारतीय राजनीतिशास्त्र का निरूपण) लेखक - पं. राजेश्वर शास्त्री द्राविड	सन्धि के प्रसंग में 'वर्णाश्रम विवाद', [illegible] की विशेषता, नीति की उपादेयता का क्षेत्र, आत्मिक धर्म, क्षात्रधर्म, राजधर्म और वर्णाश्रमधर्म।	१	२५
३.	शान्ति का अग्रदूत (भारतीय राजनीतिशास्त्र का निरूपण) लेखक - पं. राजेश्वर शास्त्री द्राविड	स्थिर संधि के चार (४) उपायों की समीक्षा, भारतीय निर्वाचन शैली, उम्मीदवारों की [illegible] तथा [illegible] आर्थिक वैषम्य जनक, भारतीय राजनीति का [illegible]।	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

षष्ठप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्का:- ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अङ्का:
१.	भारतीय राजशास्त्र प्रणेता (मनु-शुक्र-भीष्म-कौटिल्य-कामन्दक) लेखक - डॉ. श्यामलाल पाण्डेय	प्राचीन भारतीय राजशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास, मनु के राजनीतिक विचार, राज्य के उत्पत्ति के सिद्धान्त, दण्ड विधान, राजा का स्वरूप, मन्त्रिपरिषद्, मन्त्रिपरिषद् की सदस्य संख्या कार्यप्रणाली, व्यवहार [illegible]।	१	२५
२.	भारतीय राजशास्त्र प्रणेता (मनु-शुक्र-भीष्म-कौटिल्य-कामन्दक) लेखक - डॉ. श्यामलाल पाण्डेय	भीष्म के राजशास्त्र सम्बन्धी विचार, राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त, राजा का स्वरूप, कर्तव्य, व्यवहार स्थापना कार्य पुरजनपद, गणतन्त्र पर भीष्म का मत।	१	२५
३.	भारतीय राजशास्त्र प्रणेता (मनु-शुक्र-भीष्म-कौटिल्य-कामन्दक) लेखक - डॉ. श्यामलाल पाण्डेय	शुक्र के राजनीतिक विचार, राजा का स्वरूप, मन्त्रिपरिषद् की सदस्य संख्या, कार्यप्रणाली, [illegible] के सिद्धान्त, न्याय प्रणाली।	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

[illegible] 6.1.24

वैकल्पिकम् - वर्ग - प्राचीनभारतीय राजनीति,
शास्त्री - परीक्षा, पञ्चमसत्रम् (पञ्चमसेमेस्टर)

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्क:- ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अङ्का:
१.	शान्तिपर्व का अध्ययन (भारतीय राजनीति शास्त्र का परिदर्शन) लेखक - डॉ. [illegible]	[illegible]	१	२५
२.	शान्तिपर्व का अध्ययन (भारतीय राजनीति शास्त्र का परिदर्शन) लेखक - डॉ. [illegible]	[illegible]	१	२५
३.	शान्तिपर्व का अध्ययन (भारतीय राजनीति शास्त्र का परिदर्शन) लेखक - डॉ. [illegible]	[illegible] भारतीय [illegible] भारतीय राजनीति का [illegible]।	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

षष्ठप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्क:- ७५+२५=१०० (क्रेडिट ४)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांश:	क्रेडिट	अङ्का:
१.	भारतीय राजशास्त्र प्रणेता (मनु, शुक्र, भीष्म, कौटिल्य, कामन्दक) लेखक - डॉ. श्यामलाल पाण्डेय	[illegible] राजनीतिक विचार, राज्य के उत्पत्ति के सिद्धान्त, दण्ड विधान, राजा की आवश्यकता, मन्त्रिपरिषद्, [illegible]	१	२५
२.	भारतीय राजशास्त्र प्रणेता (मनु, शुक्र, भीष्म, कौटिल्य, कामन्दक) लेखक - डॉ. श्यामलाल पाण्डेय	भीष्म के राजशास्त्र सम्बन्धी विचार, राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त, राजा की आवश्यकता, कर्तव्य, [illegible] पुरुषार्थ, [illegible] भीष्म का मत।	१	२५
३.	भारतीय राजशास्त्र प्रणेता (मनु, शुक्र, भीष्म, कौटिल्य, कामन्दक) लेखक - डॉ. श्यामलाल पाण्डेय	शुक्र के राजनीतिक विचार, राजा की आवश्यकता, मन्त्रिपरिषद् की सदस्य संख्या, कार्यप्रणाली, सन्धि विग्रह के सिद्धान्त, न्याय प्रणाली।	१	२५
४.	आन्तरिकमूल्यांकनम्		१	२५

[illegible] ८.१.२४

SHASTRI — **CREDIT : 04**

ENGLISH(SEMESTER V) — **MARKS : 75+25**

UNIT I : Two Passages for explanation — **20**

Prescribed Book: Julius Caesar

- by William Shakespeare

UNIT II : Long Answer Questions on the text (two Questions for long essay type) — **20**

Book Julius Caesar

UNIT III : Short Answer Questions (five Questions on the text) — **20**

UNIT IV : Unseen Passage — **10**

Idioms & Phrases — **5**

Recommended Book : A.C. Bradley : Shakespearean Tragedy

05/1/2024

05/01/2024

05/01/24

शास्त्री – भाषाविज्ञान

पाठ्यक्रम

पञ्चम सेमेस्टर (अधिसत्र) – प्रथम पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

		क्रेडिट
इकाई - 1	व्याकरण की अवधारणा, लक्ष्य एवं लक्षण	1
इकाई - 2	पाणिनीय अष्टाध्यायी की विषय वस्तु	2
इकाई - 3	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय, भाषाओं का आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण, पुर्ननिर्माण	3
इकाई - 4	आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ	4

संदर्भ ग्रन्थ:

1. अष्टाध्यायी : पाणिनि
2. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान : डॉ. जयकुमार जलज
3. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

पञ्चम सेमेस्टर (अधिसत्र) – द्वितीय पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

		क्रेडिट
इकाई - 1	भारतीय भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय	1
इकाई - 2	पतञ्जलि एवं भर्तृहरि का भाषिक योगदान	2
इकाई - 3	भाषाविज्ञान के क्षेत्र में अमेरीकी एवं प्राग सम्प्रदायों का योगदान	3
इकाई - 4	भाषावैज्ञानिक चिन्तन में कोपेनहेगेन एवं रूसी सम्प्रदायों की भूमिका	4

संदर्भ ग्रन्थः

1. भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन : डॉ. विद्या निवास मिश्र
2. महाभाष्यम् : पतञ्जलि
3. वाक्यपदीयम् : भर्तृहरि
4. आधुनिक भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ. कपिल देव द्विवेदी

PNSinha
(Dr. Premniwas Sinha)
05/01/2024
05/01/24

29

शास्त्री – भाषाविज्ञान

पाठ्यक्रम

पञ्चम सेमेस्टर (अधिसत्र) – तृतीय पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

		क्रेडिट
इकाई - 1	भाषावैज्ञानिक अध्ययन में समाजभाषाविज्ञान की भूमिका	1
इकाई - 2	समाजभाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषा एवं समाज में सम्बन्ध	2
इकाई - 3	भाषा का सामाजिक स्तर भेदः लिङ्ग, जाति, वय एवं वृत्ति इत्यादि।	3
इकाई - 4	द्विभाषिकता, बहुभाषिकता, पिजिन एवं क्रियोल, भाषा एवं बोली	4

संदर्भ ग्रन्थः

1. भाषा और समाज : डॉ. राम बिलास शर्मा
2. भाषा भूगोल : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया
3. सोशियोलिंग्विस्टिक्स : पीटर टर्जिल

पञ्चम सेमेस्टर (अधिसत्र) – चतुर्थ पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

		क्रेडिट
इकाई - 1	शैलीविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, शैली एवं रीति; परिभाषा एवं अन्तर	1
इकाई - 2	सामान्य भाषा एवं काव्य भाषा : परिभाषा एवं अन्तर	2
इकाई - 3	साहित्यिक अध्ययन में शैलीविज्ञान की भूमिका एवं महत्व	3
इकाई - 4	शैलीवैज्ञानिक अवयव : चयन, विचलन, समानान्तरता, अप्रस्तुत विधान	4

संदर्भ ग्रन्थः

1. शैलीविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. शैलीविज्ञान : डॉ. नगेन्द्र

05/01/2024
(Dr. Praveen Gatia)

(Dr. Brajnniwas Sinha)

विभागाध्यक्ष
05/01/2024

शास्त्री – भाषाविज्ञान

वैकल्पिक

पञ्चम सेमेस्टर (अधिसत्र) – पञ्चम पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

		क्रेडिट
इकाई - 1	शैलीविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, शैली एवं रीति	1
इकाई - 2	सामान्य भाषा एवं काव्य भाषा : परिभाषा एवं अन्तर एवं काव्य भाषा की विशेषताएँ	2
इकाई - 3	शैलीविज्ञान अवयव : चयन, विचलन	3
इकाई - 4	ध्वनि सिद्धान्त, रीति सिद्धान्त	4

संदर्भ ग्रन्थः

1. शैलीविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. शैलीविज्ञान : डॉ. नगेन्द्र
3. भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र

शास्त्री – भाषाविज्ञान

वैकल्पिक

पञ्चम सेमेस्टर (अधिसत्र) – षष्ठ पत्र

अङ्क : 75+25=100

		क्रेडिट
इकाई - 1	रूप विज्ञान की अवधारणा एवं स्वरूप, रूप, संरूप संरचना	1
इकाई - 2	रूपिम, रूपिम के प्रकार, शब्द संरचना, रूप सिद्धि एवं व्युत्पत्ति संरचना	2
इकाई - 3	वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, पद क्रम, वाक्य के प्रकार	3
इकाई - 4	रूपान्तरक प्रजनक व्याकरण का सामान्य परिचय, भाषा और व्याकरण, पदबद्ध संरचना नियम, बीजवाक्य	4

संदर्भ ग्रन्थः

1. शैलीविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र : डॉ. कपिल देव द्विवेदी

विभाग

आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी।

शास्त्री तृतीय वर्ष (षष्ठ पत्र)

शास्त्री पंचम सेमेस्टर

(प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

पूर्णांकः- 75+25=100

क्रम संख्या	ग्रन्थ का नाम	निर्धारित पाठ्यक्रम	क्रेडिट	अंक
1	(क) हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास– डॉ. भगीरथ मिश्र (ख) भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ. उदयभानु सिंह (ग) समीक्षाशास्त्र के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड–डॉ. रामसागर त्रिपाठी, डॉ. श्याम मिश्र	भारतीय काव्यशास्त्र– काव्य लक्षण,हेतु, प्रयोजन, काव्यात्मा का विवेचन, शब्दगुण एवं अर्थगुण, वक्रोति ध्वनि एवं औचित्य सिद्धान्त का विवेचन।	01	25
2	(घ) पाश्चात्य समीक्षा दर्शन डॉ. जगदीश चन्द्र जैन	पाश्चात्य काव्यशास्त्र– प्लेटो का काव्य सिद्धान्त, अरस्तु का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, प्रतीकवाद एवं स्वच्छन्दतावाद	01	25
3	हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	हिन्दी साहित्य का इतिहास– आदिकाल से आधुनिक काल तक	01	25
4	आन्तरिक मूल्यांकन		01	25

05/01/2024
(प्रो. राजीव कुमार)

05/01/2024
(प्रो. रविशंकर पाण्डेय)

(प्रो. विधु ...)
05/01/24

विभाग

आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी।

शास्त्री तृतीय वर्ष (षष्ठ पत्र)

शास्त्री षष्ठ सेमेस्टर

(प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

पूर्णांकः– 75+25=100

क्रम संख्या	ग्रन्थ का नाम	निर्धारित पाठ्यक्रम	क्रेडिट	अंक
1	(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. भोलानाथ तिवारी	भाषा एवं भाषा विज्ञान–परिभाषा, भाषिक विशेषताएँ	01	25
	(ख) हिन्दी साहित्य की भूमिका–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	आधुनिक भारतीय आर्य–भाषाएँ एवं उनका वर्गीकरण		
2	भाषा विज्ञान–प्रो. दीपचन्द्र जैन	हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं गुण दोष, विवेचन–	01	25
3	हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	हिन्दी साहित्य का इतिहास–	01	25
4	आन्तरिक मूल्यांकन		01	25

05/01/2024
(प्रो. राजीव कुमार)

05/01/2024
(प्रो॰ राजेश कुमार मिश्र)

(प्रो॰ विद्याकुमार चन्द्र)
05/01/2024

शास्त्री तृतीय वर्ष (चतुर्थ पत्र)
विषय नेपाली (वैकल्पिक)
पंचम अधिसत्र (पंचम सेमेस्टर)

पूर्णांक 75+25=100
क्रेडिट अंक

साहित्यालोचन सिद्धान्त

इकाई १ साहित्य, साहित्यको हेतु र प्रयोजन 1-25

इकाई २ पूर्वीय काव्यशास्त्रको परिचयात्मक अध्ययन्,- 1-25
(रस सिद्धान्त, अलंकारवाद, ध्वनि सिद्धान्त, रीतिवाद, वक्रोक्तिवाद, औचित्यवाद)

इकाई ३ पाश्चात्य काव्यशास्त्रको परिचयात्मक अध्ययन – 1-25
(एरिस्टोटल-त्रासदी, कमेडी, अनुकरण, विरेचन, महाकाव्य, आई.ए. रिचर्ड्स-सम्प्रेषण सिद्धान्त, टि.एस. इलियट-निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त)

इकाई ४ आन्तरिक मूल्यांकन 1-25

सन्दर्भ ग्रन्थ -

साहित्य प्रदीप	पं. सोमनाथ सिग्देल
साहित्य परिचय	डा. मोहन हिमांशु थापा
पूर्वीय काव्य सिद्धान्त	गोविन्द प्रसाद भट्टराई
पाश्चात्य समालोचनाको सैद्धान्तिक परम्परा	डा. वासुदेव त्रिपाठी
साहित्य प्रकाश	डा. केशव प्रसाद उपाध्याय
पाश्चात्य समालोचना सिद्धान्त	अभि सुवेदी

Smit Thapa
05.01.2024

[signature]
05.01.2024

शास्त्री तृतीय वर्ष (चतुर्थ पत्र)
विषय नेपाली (वैकल्पिक)
पंचम अधिसत्र (पंचम सेमेस्टर)

पूर्णांक 75+25=100
क्रेडिट अंक

साहित्यालोचन सिद्धान्त

इकाई १ साहित्य, साहित्यको हेतु र प्रयोजन 1-25

इकाई २ पूर्वीय काव्यशास्त्रको परिचयात्मक अध्ययन.- 1-25

(रस सिद्धान्त, अलंकारवाद, ध्वनि सिद्धान्त, रीतिवाद, वक्रोक्तिवाद, औचित्यवाद)

इकाई ३ पाश्चात्य काव्यशास्त्रको परिचयात्मक अध्ययन – 1-25

(एरिस्टोटल-त्रासदी, कमेडी, अनुकरण, विरेचन, महाकाव्य, आई.ए. रिचर्ड्स-सम्प्रेषण सिद्धान्त, टि.एस. इलियट-निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त)

इकाई ४ आन्तरिक मूल्यांकन 1-25

सन्दर्भ ग्रन्थ -

साहित्य प्रदीप	पं. सोमनाथ सिग्देल
साहित्य परिचय	डा. मोहन हिमांशु थापा
पूर्वीय काव्य सिद्धान्त	गोविन्द प्रसाद भट्टराई
पाश्चात्य समालोचनाको सैद्धान्तिक परम्परा	डा. बासुदेव त्रिपाठी
साहित्य प्रकाश	डा. केशव प्रसाद उपाध्याय
पाश्चात्य समालोचना सिद्धान्त	अभि सुवेदी

05.01.2024

05.01.2024

इकाई – ... कलाकृति संरक्षण, आपदा प्रबन्धन
सर्वेक्षण एवं मानचित्र इकाई
भवन फोटोग्राफी

शास्त्री सेमेस्टर– पंचम
विषय– भूगोल (विश्व का आर्थिक भूगोल)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–75+25
अंक–36 न्यूनतम

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक ट्यूटोरियल / प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई 1

आर्थिक भूगोल – परिभाषा, विकास एवं पद्धति, संसाधन – वर्गीकरण, सिद्धान्त, [illegible] संरक्षण।

इकाई 2

प्राथमिक उत्पादन मत्स्य, कृषि–चावल, गेहूँ, कपास, गन्ना, रबर, चाय आदि के उत्पादन क्षेत्र एवं प्रमुख कारक।

इकाई 3

भू–सम्पदा–कोयला, पेट्रोलियम, जल, लोहा, ताँबा के उत्पादन एवं वितरण क्षेत्र।

इकाई 4

औद्योगिक क्षेत्र के निर्धारण के प्रमुख कारक एवं उनका महत्व, लौह इस्पात, [illegible] वस्त्र, सीमेन्ट, उद्योगों का भौगोलिक अध्ययन। विश्व व्यापार की परिवर्तनशील प्रवृत्ति एवं [illegible]।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. आर्थिक भूगोल – काशीनाथ सिंह एवं जगदीश सिंह।
2. आर्थिक भूगोल – श्रीवास्तव एवं राय।
3. इकोनामिक ज्योग्राफी – दूबे एवं सिंह।
4. इकोनामिक ज्योग्राफी – डब्लू एलेकजेण्डर।

[illegible] 7.8.20 प्रो० अशोक कुमार सिंह (अधिष्ठाता ...)

शास्त्री सेमेस्टर– पंचम

विषय–समाजशास्त्र (सामाजिक चिन्तन एवं भारतीय समाजशास्त्र)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–75+25

अंक- 36 न्यूनतम

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई 1

आगस्तकाम्टे, इस्माइल दुर्खीम, कार्लमार्क्स, मैक्सवेबर तथा जी. एच. मीड।

इकाई 2

भारतीय सामाजिक चिन्तन विकास, विशेषता एवं स्वरूप, व्यक्ति एवं संस्था की अवधारणा, मनुस्मृति, महाभारत, कौटिल्य।

इकाई 3

आधुनिक विचारक – अरविन्द, गांधी, दयानन्द एवं विवेकानन्द।

इकाई 4

भारत में समाजशास्त्र – जी.एस. घुर्ये, राधाकमल मुखर्जी एवं एम. एन. श्रीनिवास।

संदर्भ ग्रंथ

1. कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला।
2. सोशल फिलासफी आफ महात्मा गाँधी – महादेव प्रसाद।
3. आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन – एम. एन. श्रीनिवास।
4. आधुनिक भारतीय राजनीति एवं सामाजिक चिन्तन – विश्वनाथ प्रसाद वर्मा
5. क्लासिकल सोशल थ्योरी – के. एन. ठक्कर।

21

ज्योतिषविभागः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी।
सत्र 2023–2024
पंचमसत्रार्द्धम् (फलितज्योतिषम्)
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः–

प्रश्नपत्रसंख्या	विषयाः	क्रेडिट	अंकाः
प्रथमप्रश्नपत्रम्	सूर्यसिद्धान्तस्य मध्यमस्पष्टाधिकारौ	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
द्वितीयप्रश्नपत्रम्	भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
तृतीयप्रश्नपत्रम्	सारावली (1–14 अध्यायाः)	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
चतुर्थप्रश्नपत्रम्	फ़लदीपिका (1–10 अध्यायाः)	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25

सन्दर्भग्रन्थाः–

1– सूर्यसिद्धान्तः– श्री कपिलेश्वर शास्त्री (चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी)
2– सारावली– मुरलीधर चतुर्वेदी (चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी)
3– भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्– मीठालाल हिमतराम ओझा (भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी)
4– फलदीपिका– डॉ. हरिशंकर पाठक– चौखम्भा, सुरभारती प्रकाशन।

21/12/23 21.12.23 21.12.23

ज्योतिषविभागःसम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी।

सत्र 2023-2024

[illegible]पाठ्यक्रमम्(सिद्धान्तज्योतिषम्)

प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

प्रश्नपत्रसंख्या	पाठ्यनामानि	क्रेडिट	अंकाः
प्रथमप्रश्नपत्रम्	सिद्धान्तशिरोमणेः गोलाध्यायस्य आदितः छेद्यकाधिकारपर्यन्तम्	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
द्वितीय प्रश्नपत्रम्	सिद्धान्तशिरोमणेः गणिताध्यायस्य त्रिप्रश्नाधिकारतः सूर्यग्रहणान्तम् यावत्	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
तृतीयप्रश्नपत्रम्	सिद्धान्ततत्त्वविवेक आदितो स्पष्टाधिकारस्य कुण्डप्रकरणम् यावत्	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
चतुर्थप्रश्नपत्रम्	सिद्धान्ततत्त्वविवेकस्य ग्रहस्पष्टीकरणतः त्रिप्रश्नाधिकारम् यावत्	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25

20.12.23

20/1/24

20.01.24

20/01/24

20/1/24

ज्योतिषविभागः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी ।
सत्र 2023–2024
पंचमसत्रार्द्धम् (गणितम्)
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः–

पूर्णांकाः –100

प्रश्नपत्रसंख्या	विषयाः	क्रेडिट	अंकाः
प्रथमप्रश्नपत्र	अंकगणितीयप्रतानम् (Arithematical-continumm) डेडीकाइण्ड परिच्छेदाः(Dedekind- section) सीमा (Limits) सातत्यम् (Continuity) अवकलन शीलता (Differentiability) रोल–प्रमेयः (Rolle's theorem) मध्यमानप्रमेयः (Mean value theorem)	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्,	01	25
द्वितीयप्रश्नपत्रम्	रीमान्–अनुकलनम् (Riemann integration) चलराशिकलनस्य मध्यमानप्रमेयः (Mean value theorem of integral Calculus) निश्चितानकलनं बीटानामानुकलनसहितम् (Defiite integrals including Beta-gamma functions)	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
तृतीयप्रश्नपत्रम्	स्थिति शास्त्रम्– अवकाशे बलसाम्यस्य व्यापकाः स्थितयः (General conditions of equilibrium in space) घर्षणम्– (Friction) गुरूत्वाकर्षणम् (Centre of gravity) समरज्जुवक्रम् (Common catenary)	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
चतुर्थप्रश्नपत्रम्	बीजगणितम् (Aljebra) समुच्चयसिद्धान्तः (Set theory) समूहः (Groups) उपसमूहः सामानय उपसमूहश्च (Subgroupes-Normal subgroups) समूहानां समाकारिता (Homomorphism of groups)	03	75
	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25

20/1/24 21.12.23 20.01.24 21.12.23 20.1.24 20/1/24

40

धर्मशास्त्रविभागःसम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी।

सत्र 2022-2025

शास्त्रीपंचमसत्रीयम्

प्रस्तावितपाठ्यक्रमः-

प्रथमप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः- 100

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	क्रेडिट	अंकाः
1	याज्ञवल्क्यस्मृतिः मिताक्षरासहिता (व्यवहाराध्यायसाधारण-व्यवहारमातृका प्रकरणतः दत्ताप्रदानिकप्रकरणपर्यन्तम्)	2	50
2	याज्ञवल्क्यस्मृतिः (प्रायश्चित्ताध्याय आशौचप्रकरणतः आपद्धर्मप्रकरणतपर्यन्तम्)	1	25
3	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

सन्दर्भग्रन्थाः-

1- याज्ञवल्क्यस्मृतिः (मिताक्षराटीकासहिता) डॉ. शिवदीपक शर्मा, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी

द्वितीयप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः- 100

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	क्रेडिट	अंकाः
1	धर्मसिन्धुः- प्रथमपरिच्छेदः (काशीनाथोपाध्यायप्रणीतस्य)	3	75
2	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

सन्दर्भग्रन्थाः-

1- धर्मसिन्धु श्री काशीनाथोपाध्यायविरचितः श्री वसिष्ठदत्तमिश्र, श्री सुदामामिश्र शास्त्री, श्री सदाशिव शास्त्री मुसलगाँवकर (चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी)

20.01.24. 20/1/24 21/12/23

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकाः- 100

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	क्रेडिट	अंकाः
1	निर्णयसिन्धुः - तृतीयपरिच्छेदस्य पूर्वार्धम्	3	75
2	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

सन्दर्भग्रन्थाः-

1- निर्णयसिन्धु (कमलाकर भट्ट) खेमराज श्री कृष्णदास प्रकाशन, बम्बई

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकाः- 100

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	क्रेडिट	अंकाः
1	वीरमित्रोदयः- व्यवहारप्रकाशस्य आदितः प्रमाणनिरूपणाख्यं द्वितीयं प्रकरणम् पर्यन्तम्	3	75
2	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

सन्दर्भग्रन्थाः-

1- वीरमित्रोदयः (व्यवहारप्रकाशः) पं.विष्णु प्रसाद शर्मा (चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस,वाराणसी)

शास्त्रिपरीक्षायां पत्रचमाधिसत्रे (पंचम सेमेस्टर)

शांकरवेदान्ते प्रथमपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	शांकरभाष्यसहिताः छान्दोग्योपनिषदः पंचमाध्यायषष्ठाध्यायौ	पंचमाध्याये आदितो द्वादशखण्डान्तो भागः	1	20
2.	"	पंचमाध्याये त्रयोदशखण्डादवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	षष्ठाध्याये आदितोऽष्टमखण्डपर्यन्तो भागः	1	20
4.	"	षष्ठाध्याये नवमखण्डादवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पञ्चमाधिसत्रे (पंचम सेमेस्टर)

शांकरवेदान्ते प्रथमपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	शांकरभाष्यसहिताः छान्दोग्योपनिषदः पंचमाध्यायषष्ठाध्यायौ	पंचमाध्याये आदितो द्वादशखण्डान्तो भागः	1	20
2.	"	पंचमाध्याये त्रयोदशखण्डादवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	षष्ठाध्याये आदितोऽष्टमखण्डपर्यन्तो भागः	1	20
4.	"	षष्ठाध्याये नवमखण्डादवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पंचमाधिसत्रे पंचम सेमेस्टर

शांकरवेदान्ते

द्वितीयपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	शांकरभाष्यसहिताः छान्दोग्योपनिषदः सप्तमाध्यायाष्टमाध्यायौ	सप्तमाध्याये आदितःत्रयोदशखण्डपर्यन्तो भागः	1	20
2.	"	सप्तमाध्याये चतुर्दशखण्डदवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	अष्टमाध्याये आदितःसप्तमखण्डपर्यन्तो भागः	1	20
4.	"	अष्टमाध्यायेऽष्टमखण्डादवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पंचमाधिसत्रे पंचम सेमेस्टर

शांकरवेदान्ते तृतीयपत्रम्

अंकाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	शांकरभाष्यसहिताया बृहदारण्यकोपनिषदः प्रथमाध्यायद्वितीयाध्यायौ	प्रथमाध्याये प्रथमद्वितीय तृतीयब्राह्मणानि	1	20
2.	"	प्रथमाध्याये चतुर्थपंचमषष्ठब्राह्मनानि	1	20
3.	"	द्वितीयाध्याये प्रथमद्वितीयतृतीयब्राह्मणानि	1	20
4.	"	द्वितीयाध्याये चतुर्थपंचमब्राह्मणे	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पंचमाधिसत्रे पंचम सेमेस्टर

शांकरवेदान्ते चतुर्थपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	केडिट	अंशाः
1.	शांकरभाष्यहिताया बृहदारण्यकोपनिषदः तृतीयचतुर्थाध्यायौ	तृतीयाध्याये आदितःपंचमब्राह्मणपर्यन्तो भागः	1	20
2.	''	तृतीयाध्याये षष्ठब्राह्मणादवशिष्टो भागः	1	20
3.	''	चतुर्थाध्याये प्रथमद्वितीय तृतीयब्राह्मणानि	1	20
4.	''	चतुर्थाध्याये चतुर्थपंचमब्राह्मणे	1	15
,5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पंचमाधिसत्रे पंचमसेमेस्टर

''रामानुजवेदान्ते,मध्ववेदान्ते ,निम्बार्कवेदान्ते ,गौडीयवेदान्ते,वल्लभवेदान्ते च''

प्रथमपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	केडिट	अंकाः
1.	यामुनाचार्यकृतसिद्धित्रयग्रन्थे आत्मसिद्धिः	आत्मसिद्धौ आदितो द्वादशकारिकान्तो भागः	1	20
2.	''	त्रयोदशकारिकातःचतुर्विंशतिकारिकान्तो भागः	1	20
3.	''	पंचविंशतिकारिकातःपंचत्रिंशतकारिकान्तो भागः	1	20
4.	''	षट्त्रिंशत् कारिकातोवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

द्वितीयपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	यामुनाचार्यकृतसिद्धित्रयग्रन्थे ईश्वरसिद्धिः संवित् सिद्धिश्च	ईश्वरसिद्धौ आदितो नवमकारिकान्तो भागः	1	20
2.		ईश्वरसिदौ दशमकारिकातोऽवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	संवित् सिद्धौ आदित् कारिकाशतम् (100)पर्यन्तो भागः	1	20
4.	"	एकाधिकशतकारिकातोवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

तृतीयपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	श्रीजीवगोस्वामीकृतः श्रीपरमात्मसन्दर्भः	श्रीपरमात्मसन्दर्भे आदितः पुराणत्रैविध्यनिरूपणान्तो भागः	1	20
	"	गुणावतारनिरूपणात् परिणामवादनिरूपणान्तो भागः	1	20
3.	"	मायानिरूपणात् पक्षपातदोषनिरासपर्यन्तो भागः	1	20
4.	"	भगवल्लीलाप्रयोजननिरूपणाद वशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

चतुर्थपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	गोस्वामी गोपेश्वरप्रणीतःभक्तिमार्तण्डः	भक्तिमार्तण्डग्रन्थे प्रमाणप्रकरणम्	1	20
2.	"	भक्तिमार्तण्डग्रन्थे प्रमेयप्रकरणम्	1	20
3.	"	भक्तिमार्तण्डग्रन्थे साधनप्रकरणम्	1	20
4.	"	भक्तिमार्तण्डग्रन्थे	1	15
5.		फलप्रकरणम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पंचमाधिसत्रे पंचमसेमेस्टर

रामानन्दवेदान्ते प्रथमपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	आनन्दभाष्यसहितायां छान्दोग्योपनिषदः पंचमाध्यायषष्ठाध्यायौ	पंचमाध्याये आदितो द्वादशखण्डातो भागः	1	20
2.	"	पंचमाध्याये त्रयोदशखण्डादवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	षष्ठाध्याये आदितोऽष्टमखण्डान्तो भागः	1	20
4.	"	षष्ठाध्याये नवमखण्डा –दवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

द्वितीयपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1	आनन्दभाष्यसहितायाः छान्दोग्योपनिषदः सप्तम–अष्टमाध्यायौ	सप्तमाध्याये आदितःत्रयोदशखण्डान्तो भागः	1	20
2.	''	सप्तमाध्याये चतुर्दशखण्डादवशिष्टो भागः	1	20
3.	''	अष्टमाऽध्याये आदितःसप्तमखण्डान्तो भागः	1	20
4.	''	अष्टमाऽध्यायेष्टमखण्डादवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

तृतीयपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	आनन्दभाष्यसहिताया बृहदारण्यकेपनिषदः प्रथमाध्यायद्वितीयाध्यायौ	प्रथमाध्याये प्रथमद्वितीयतृतीयब्राह्मणानि	1	20
2.	''	प्रथमाध्याये चतुर्थपंचमषष्ठ –ब्राह्मणानि	1	20
3.	''	द्वितीयाध्याये प्रथमद्वितीयतृतीयब्राह्मणानि	1	20
4.	''	द्वितीयाध्याये चतुर्थपंचमब्राह्मणानि		15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

चतुर्थपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	आनन्दभाष्यसहितायाः बृहदारण्यकोपनिषदः तृतीयचतुर्थाध्यायौ	तृतीयाध्याये आदितःपंचमब्राह्मणपर्यन्तो भागः	1	20
2.	"	तृतीयाध्याये षष्ठब्राह्मणादवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	चतुर्थाध्याये प्रथमद्वितीयतृतीयब्राह्मणानि	1	20
4.	"	चतुर्थाध्याये चतुर्थपंचमब्राह्मणानि	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पंचमाधिसत्रे पंचमसेमेस्टर

शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्ते प्रथमपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	उमचिगिशंकरशास्त्रिविरचितायाः ब्रह्मसूत्रशांकरीवृत्तेः प्रथमाध्याये प्रथमपादः	प्रथमाध्याये प्रथमपादे आदितो जन्माद्यधिकरणान्तो भागः	1	20
2.	"	प्रथमपादे शास्त्रयोनित्वाधिकरणादीक्षत्यधिकरणान्तो भागः	1	20
3.	"	प्रथमपादे आनन्दमयाधिकरणात् प्राणाधिकरणान्तो भागः	1	20
4.	"	प्रथमपादे ज्योतिरधिकरणादवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

द्वितीयपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	उमचिगिशंकरशास्त्रिविरचिताया ब्रह्मसूत्रशांकरीवृत्तेःप्रथमाध्याये द्वितीयतृतीयचतुर्थपादाः	प्रथमाध्याये द्वितीयपादे आदितो गुहाधिकरणान्तो भागः	1	20
2.	"	प्रथमाध्याये द्वितीयपादे अन्तराधिकरणादवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	प्रथमाध्याये तृतीयपादः	1	20
4.	"	प्रथमाध्याये चतुर्थपादः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

तृतीयपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	श्रीनिलकण्ठविरचिते कियासारग्रन्थे प्रथमद्वितीयोपदेशौ	प्रथमोपदेशे आदितःशतत्रयं 300 कारिकानतो भागः	1	20
2.	"	प्रथमोपदेशे एकाधिकशतत्रयम् 301 कारिकातोवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	द्वितीयोपदेशे आदितःचतुःशतं 400कारिकान्तो भागः	1	20
4.	"	द्वितीयोपदेशे एकाधिकचतुःशतं 401कारिकातोवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

चतुर्थपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1.	श्रीनीलकण्ठविरचिते कियासारे ग्रन्थे तृतीयचतुर्थोपदेशौ	तृतीयोपदेशे आदितःपंचमविंशत्यधिकद्विशतं 225 कारिकान्तो भागः	1	20
2.	"	तृतीयोपदेशे षड्विंशत्यधिद्विशतं 226कारिकातोवशिष्टो भागः	1	20
3.	"	चतुर्थोपदेशे एकषष्ठ्यधिकैकशतम्160 कारिकान्तो भागः	1	20
4.	"	चतुर्थोपदेशे एकषठ्यधिकैकशतं 161कारिकातोवशिष्टो भागः	1	15
5.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्री पंचमाधसत्रम्

द्वितीय – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	आयारो (आचारांगसूत्रम्) प्रथमश्रुतस्कन्धस्य नवममध्ययनम्	1	25
1	आगम परिचयः	1	25
2	गाथानुसारी – प्रश्नानुशीलनम्	1	25
3	महावीर तपश्चर्या, महावीर चरित्रवर्णनम्	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	आयारो – जैनविश्वभारती		
•	आचारांगभाष्यम् – जैनविश्वभारती		

प्राकृत एवं जैनागम

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

प्रथम – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	प्राकृतव्याकरणम् – हेमशब्दानुशासनम् प्रथमपादस्य प्रथम सूत्रतः पंचाशताधिकैक शतपर्यन्तम् (1 – 150 सूत्राणि)		
1	सूत्र व्याख्या	1	25
2	शब्द साधनम्	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः व्याकरणविषयसामान्यज्ञानम्	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	प्राकृतव्याकरणम् – (हेमशब्दानुशासनम्) 1 – 2 खण्ड आचार्य हेमचन्द्र, व्याख्याकार आचार्य ज्ञानमुनि जी महाराज, श्री मण्डल स्कूल कमलानगर देहली – 2		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

द्वितीय – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	आयारो (आचारांगसूत्रम्) प्रथमश्रुतस्कन्धस्य नवममध्ययनम्	1	25
1	आगम परिचयः	1	25
2	गाथानुसारी – प्रश्नानुशीलनम्	1	25
3	महावीर तपश्चर्या, महावीर चरित्रवर्णनम्	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	आयारो – जैनविश्वभारती		
•	आचारांगभाष्यम् – जैनविश्वभारती		

प्राकृत एवं जैनागम

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

तृतीय – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	क्रेडिट	अंक
	समयपाहुडसुत्तं – (कुन्दकुन्दाचार्यकृतम्) (1 – 2 अधिकारौ)		
1	शौरसेनी आगम परम्परा	1	25
2	समयसारस्याध्ययनम्	1	25
3	समयसारस्याध्ययनम् – (ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः)	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	समयसार – कुन्दकुन्दाचार्यः, पण्डित टोडरमल सर्वोदयट्रस्ट, जयपुर		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

चतुर्थ – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	क्रेडिट	अंक
	समराइच्चकहा – (प्रथमभवः) (आचार्य हरिभद्रसूरिप्रणीत)		
1	ग्रन्थाध्ययनम्	1	25
2	ग्रन्थाध्ययनम्	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	समराइच्चकहा – (आचार्य हरिभद्रसूरि)		

[redacted]
प्राकृत एवं जैनागम

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

पंचम – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	गाथासप्तशती 1 – 100 गाथा पर्यन्तम्		
1	गाथा व्याख्या	1	25
2	गाथागतशब्दानां व्याकरणविमर्शः पठितांशस्य सारांशश्च	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	गाथासप्तशती – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

षष्ठ – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	कर्पूरमंजरी	1	25
1	गाथाव्याख्या	1	25
2	काव्यशास्त्रीय चिंतनम्	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च वैशिष्ट्यम्	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	कर्पूरमंजरी – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

पंचम – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	क्रेडिट	अंक
	गाथासप्तशती 1 – 100 गाथा पर्यन्तम्		
1	गाथा व्याख्या	1	25
2	गाथागतशब्दानां व्याकरणविमर्शः पठितांशस्य सारांशश्च	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	गाथासप्तशती – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम्

षष्ठ – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	क्रेडिट	अंक
	कर्पूरमंजरी	1	25
1	गाथाव्याख्या	1	25
2	काव्यशास्त्रीय चिंतनम्	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च वैशिष्ट्यम्	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	कर्पूरमंजरी – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी		

संस्कृतविद्याविभागीयपाठ्यक्रमाः

शास्त्रीपंचमाधिसत्रम्

प्रथम् प्रश्नपत्रम्

पूर्णांकः–75+25= 100

विषयः–वेद

केडिट–04

सं0	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	केडिट	अंकाः
प्रथमोऽशः	वेदचयनम्	अग्निसूक्तम्,इन्द्रसूक्तम्,विष्णुसूक्तम्	01	25
द्वितीयोऽशः	वेदचयनम्	पुरूषसूक्त,पृथिवीसूक्तम्	01	25
तृतीयोऽशः	ईशोपनिशद	सम्पूर्ण	01	25
चतुर्थोऽशः	आन्तरिकमूल्यांकनम्		01	25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकः–75+25= 100

विषयः–व्याकरणम्

केडिट–04

सं0	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	केडिट	अंकाः
प्रथमोऽशः	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	भ्वादितःदिवादिपर्यन्तम्	01	25
द्वितीयोऽशः	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	तुदादितःचुरादिपर्यन्तम्	01	25
तृतीयोऽशः	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	ण्यन्तसन्नन्तप्रकरणद्वयम्	01	25
चतुर्थोऽशः	आन्तरिकमूल्यांकनम्		01	25

संस्कृतविद्याविभागीयपाठ्यक्रमाः

शास्त्रीपंचमाधिसत्रम्

तृतीयप्रश्नपत्रम् पूर्णाकः–75+25= 100

विषयः–साहित्यम् केडिट–04

सं0	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	केडिट	अंकाः
प्रथमोऽशः	कुमारसम्भवम्	प्रथम सर्गः	01	25
द्वितीयोऽशः	हर्षचरितम्	प्रथमोच्छवासः	01	25
तृतीयोऽशः	साहित्यदर्पणम् (पंचमोल्लासः)	व्यंजना स्वरूपम्	01	25
चतुर्थोऽशः	आन्तरिकमूल्यांकनम्		01	25

पूर्णाकः–75+25= 100

चतुर्थप्रश्नपत्रम् केडिट–04

विषयः–दर्शनम्

सं0	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	केडिट	अंकाः
प्रथमोऽशः	सर्वदर्शनसंग्रहः	न्यायवैशेषिकदर्शनद्वयम्	01	25
द्वितीयोऽशः	सर्वदर्शनसंग्रहः	वेदान्तमीमांसा,सांख्य,योगसामान्य परिचयः	01	25
तृतीयोऽशः	सर्वदर्शनसंग्रहः	जैन,बौद्ध,चार्वाक सामान्यपरिचयः	01	25
चतुर्थोऽशः	आन्तरिकमूल्यांकनम्		01	25

शास्त्री पंचमाधिसत्रम् जैनदर्शनम्

प्रथम – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	क्रेडिट	अंक
	सम्मतितर्कः – (सिद्धसेनदिवाकरप्रणीतम्)(प्रथम काण्ड)		
1	सम्मतितर्कस्यविषयवस्तु	1	25
2	प्रथमकाण्डस्य गाथा वर्ण्यविषयश्च	1	25
3	गाथा व्याकरण विमर्शः ग्रन्थकारस्य परिचयश्च	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	सम्मइसुत्तं – भारतीय ज्ञान पीठ – दिल्ली		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम् जैनदर्शनम्

द्वितीय – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	क्रेडिट	अंक
	द्रव्यसंग्रहः		
1	गाथाऽध्ययनम्	1	25
2	गाथाऽध्ययनम्	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	द्रव्यसंग्रह		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम् जैनदर्शनम्

तृतीय – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	समयसारः – कुन्दकुन्दाचार्यकृत (1– 30 गाथा) आत्मख्याति टीका सहितः		
1	गाथाध्ययनम् – (मूलगाथाध्ययनम् 1 – 15)	1	25
2	गाथाध्ययनम् – (मूलगाथाध्ययनम् 16 – 30)	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	समयसारः कुन्दकुन्दाचार्यः पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट जयपुरम्		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम् जैनदर्शनम्

चतुर्थ – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	जैनदर्शनस्येतिहासः	1	25
1	श्वेताम्बर आगमः	1	25
2	दिगम्बर आगमः	1	25
3	शौरसेनी साहित्यम् (सिद्धान्त कर्मवाद द्रव्यस्वरूपमीमांसा ग्रन्थानम्)	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम् जैनदर्शनम्

तृतीय – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	समयसारः – कुन्दकुन्दाचार्यकृत (1– 30 गाथा) आत्मख्याति टीका सहितः		
1	गाथाध्ययनम् – (मूलगाथाध्ययनम् 1 – 15)	1	25
2	गाथाध्ययनम् – (मूलगाथाध्ययनम् 16 – 30)	1	25
3	ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		
सहायकग्रन्थाः –			
•	समयसारः कुन्दकुन्दाचार्यः पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट जयपुरम्		

शास्त्री पंचमाधिसत्रम् जैनदर्शनम्

चतुर्थ – प्रश्नपत्रम्

इकाई	विषय	केडिट	अंक
	जैनदर्शनस्येतिहासः	1	25
1	श्वेताम्बर आगमः	1	25
2	दिगम्बर आगमः	1	25
3	शौरसेनी साहित्यम् (सिद्धान्त कर्मवाद द्रव्यस्वरूपमीमांसा ग्रन्थानम्)	1	25
4	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
	अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः (निबन्धात्मकः) 30 (15 × 2) द्वितीय खण्डः (लघूत्तरात्मकः) 20 (10 × 2) तृतीय खण्डः (अतिलघूत्तरात्मकः) 25 (10 × 2.5)		

सम्पूर्णानन्द - संस्कृत - विश्वविद्यालयः, वाराणसी

शास्त्री - पञ्चमाधिसत्रे

पालि-विषयः

प्रथम - प्रश्नपत्रम् (शास्त्रीय विषय)

पूर्णांका: - 75 + 25 =100

		क्रेडिट	अंक
इकाई - 1	मिलिन्दपञ्हो – बाहिरकथा।	1	25
इकाई - 2	मिलिन्दपञ्हो – लक्खणपञ्हो।	1	25
इकाई - 3	मिलिन्दपञ्हो – विमतिच्छेदनपञ्हो।	1	25
आन्तरिक मूल्यांकन –		1	25

सहायक ग्रन्थाः -

1) मिलिन्दपञ्हो – स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी।

2) पालि-समुच्चयो – डॉ0 रमेश प्रसाद, सम्यक् प्रकाशन, दिल्ली।

3) निदानकथा (जातकट्ठकथा) – डॉ0 महेश तिवारी, चौखम्भा, वाराणसी।

पाठ्यक्रम के परिणाम –

1) दूसरी शताब्दी पूर्व भारत के आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा दार्शनिक विषयों की जानकारी।
2) बौद्ध धर्म की प्रश्नोत्तर के माध्यम से सरल व्याख्याओं की जानकारी।

सम्पूर्णानन्द - संस्कृत - विश्वविद्यालयः, वाराणसी

शास्त्री - पंचमाधिसत्रे

पालि-विषयः

द्वितीय - प्रश्नपत्रम् (शास्त्रीय विषय)

पूर्णांकाः - 75 + 25 =100

		क्रेडिट	अंक
इकाई – 1		1	30
(क) उकारान्त पुल्लिङ्ग सद्द 'पितु, सत्थु, कत्तु, गन्तु, भातु' क्रिया-अतीतकाल।	15		
(ख) सब्बनाम सद्द 'अम्ह, तुम्ह, इम, सब्ब। क्रिया -विधिलिङ्ग।	15		
इकाई – 2 उपसर्ग, निपात।		1	25
इकाई – 3		1	20
अनुवाद।		1	25

आन्तरिक मूल्यांकन –

सहायक ग्रन्थाः -

1) पालि व्याकरण – सम्पादक - भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

2) बालावतार – सम्पादक – स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, बौद्ध भारती, वाराणसी।

3) पालिनिपात समुच्चय – डॉ0 ब्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन', भारति प्रकाशन, अशोक नगर, गया।

पाठ्यक्रम के परिणाम –

1) पालि भाषा में प्रयुक्त काल, सर्वनाम, उपसर्ग तथा निपात की जानकारी।

सम्पूर्णानन्द - संस्कृत - विश्वविद्यालयः, वाराणसी

शास्त्री - पंचमाधिसत्रे

पालि-विषयः

तृतीय - प्रश्नपत्रम् (शास्त्रीय विषय)

पूर्णांकाः - 75 + 25 =100

		क्रेडिट	अंक
इकाई – 1			
	सुत्तनिपातो – धनियसुत्तं, खग्गविसाणसुत्तं, कसिभारद्वाजसुत्तं, मेत्तसुत्तं।	1	25
इकाई – 2			
	सुत्तनिपातो – विजयसुत्तं, मुनिसुत्तं, पब्बज्जासुत्तं, वासेट्ठसुत्तं।	1	25
इकाई – 3			
	संखित-परिचयो - लुम्बिनी, उरुवेला, इसिपतनमिगदायं, कुसिनारा, सावत्थि, राजगहं, नालन्दा, वेसाली, कासी, कोसलो।	1	25
आन्तरिक मूल्यांकन –		1	25

सहायक ग्रन्थाः -

1) सुत्तनिपातो – विपस्सना विशोधन विन्यास, इगतपुरी।

2) Essence of Buddhism – डॉ0 रमेश प्रसाद, सम्यक प्रकाशन दिल्ली।

पाठ्यक्रम के परिणाम –

1) परमार्थ की प्राप्ति संबंधी बुद्धोपदेश।
2) सामाजिक, धार्मिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक आदि के सम्बन्ध में जानकारी।
3) भिक्षुचर्या और बौद्ध गृहस्थ के बारे में जानकारी।

सम्पूर्णानन्द - संस्कृत - विश्वविद्यालयः, वाराणसी

शास्त्री - पंचमाधिसत्रे

पालि-विषयः

चतुर्थ - प्रश्नपत्रम् (शास्त्रीय विषय)

पूर्णांकाः - 75 + 25 =100

		क्रेडिट	अंक
इकाई - 1	अङ्गुत्तरनिकाये – एककनिपाते नीवरणप्पहाणवग्गो, अकम्मनियवग्गो, अदन्तवग्गो, पमादादिवग्गो।	1	25
इकाई - 2	अङ्गुत्तरनिकाये –दुकनिपाते कम्मकरणवग्गो, अधिकरणवग्गो।	1	25
इकाई - 3	सङ्खित्तपरिचयो – दानपारमिता, सीलपारमिता, नेक्खम्मपारमिता, पञ्ञापारमिता, विरियपारमिता, सच्चपारमिता, उपेक्खापारमिता, खन्तिपारमिता, अधिट्ठानपारमिता, मेत्तापारमिता।	1	25
आन्तरिक मूल्यांकन –		1	25

सहायक ग्रन्थाः -

1) अङ्गुत्तरनिकाय – स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी।
2) अङ्गुत्तरनिकाय – विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी।

पाठ्यक्रम के परिणाम –

1) कुशल तथा अकुशल कर्मों के बारे में जानकारी।
2) प्रज्ञा के महत्त्व का ज्ञान।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः,वाराणसी

शास्त्री - पंचमाधिसत्रे

थेरवाद-विषयः

पंचम - प्रश्नपत्रम् (शास्त्रीय विषय)

पूर्णांकाः - 75 + 25 =100

	क्रेडिट	अंक
इकाई - 1		
दीघनिकाये- अम्बट्ठसुत्तं, पोट्ठपादसुत्तं।	1	25
इकाई - 2		
रसवाहिनी – नन्दिराजवग्गो।	1	25
इकाई - 3		
तेलकटाहगाथा।	1	25
आन्तरिक मूल्यांकन –	1	25

सहायक ग्रन्थाः -

1) दीघनिकाय – स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी।

2) तेलकटाहगाथा – अनुवाद – अंगराज चौधरी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

3) रसवाहिनी – सम्पादक - डॉ0 हरप्रसाद दीक्षित, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।

पाठ्यक्रम के परिणाम –

1) विद्या तथा आचरण की महत्ता का ज्ञान।
2) बुद्ध के दस अव्याकृत प्रश्नों का ज्ञान।
3) बौद्ध ध्यान संबंधी ज्ञान।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः,वाराणसी

शास्त्री - पंचमाथिसत्रे

थेरवाद-विषयः

षष्ठ– प्रश्नपत्रम् (वैकल्पिक)

पूर्णांकाः - 75 + 25 =100

	क्रेडिट	अंक
इकाई – 1		
अभिधम्मत्थसंगहो – चित्तं ।	1	25
इकाई – 2		
मिलिन्दपञ्हो – लक्खणपञ्हो ।	1	25
इकाई – 3		
पालिसद्धावलि - पञ्ञा, ब्रह्मविहारो, नीवरणं, संयोजनं, हेतु, आसवा ।	1	25
आन्तरिक मूल्यांकन –	1	25

सहायक ग्रन्थाः -

1) अभिधम्मत्थसंगहो – विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी ।

2) मिलिन्दपञ्हो – स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी ।

पाठ्यक्रम के परिणाम –

1) मैत्री और विपश्यना ध्यान के बारे में जानकारी ।

2) सामाजिक, दार्शनिक तथा धार्मिक विषयों की जानकारी ।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

शास्त्री - पंचमषाण्मासिकं

वैकल्पिक-विषयः

षष्ठ- प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

पूर्णांका: - 75 + 25 =100

		क्रेडिट	अंक
इकाई – 1	अभिधम्मत्थसंगहो – चित्तं।	1	25
इकाई – 2	मिलिन्दपञ्हो – लक्खणपञ्हो।	1	25
इकाई – 3	पालिसद्धम्मावलि - पञ्ञा, ब्रह्मविहारो, नीवरणं, संयोजनं, हेतु, आसवा।	1	25
आन्तरिक मूल्यांकन –		1	25

सहायक ग्रन्था: -

1) अभिधम्मत्थसंगहो – विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी।

2) मिलिन्दपञ्हो – स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी।

पाठ्यक्रम के परिणाम –

1) मैत्री और विपश्यना ध्यान के बारे में जानकारी।

2) सामाजिक, दार्शनिक तथा धार्मिक विषयों की जानकारी।

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020 नूतनशिक्षानित्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः- सांख्ययोगः

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंङ्काः
1	सांख्यतत्त्वकौमुदी	1-9 कारिकापर्यन्तम्	1	20
2	सांख्यतत्त्वकौमुदी	10-18 कारिकापर्यन्तम्	1	20
3	सांख्यतत्त्वकौमुदी	19-27 कारिकापर्यन्तम्	1	20
4	सांख्यतत्त्वकौमुदी	28-36 कारिकापर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

विषयः- सांख्ययोगः

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंङ्काः
1	सांख्यसूत्रम् (अनिरुद्धकृतवृत्तिसहितम्)	प्रथमाध्याये 1-82 सूत्र पर्यन्तम्	1	20
2	सांख्यसूत्रम्	83-164 सूत्रपर्यन्तम्	1	20
3	सांख्यसूत्रम्	द्वितीयाध्याये 1-20 सूत्रपर्यन्तम्	1	20
4	सांख्यसूत्रम्	21-47 सूत्रपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

05/02/2024

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

2020 नूतनशिक्षानियमानुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः -सांख्ययोगः

कक्षा शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	सांख्यतत्त्वयाथार्थ्यदीपनम् (भावगणेशप्रणीतम्)	मूलप्रकृतिनिरूपणतः अहङ्कारनिरुपणपर्यन्तम्	1	20
2	सांख्यतत्त्वयाथार्थ्यदीपनम्	इन्द्रियनिरूपणतः पुरुषनिरुपणपर्यन्तम्	1	20
3	सांख्यतत्त्वयाथार्थ्यदीपनम्	त्रैगुण्यनिरूपणतः पञ्चक्रमयोनिपर्यन्तम्	1	20
4	सांख्यतत्त्वयाथार्थ्यदीपनम्	पञ्चपर्वाविद्यापर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

विषयः सांख्ययोगः

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	श्रीमद्भागवते तृतीयस्कन्धे कपिलदेवहूति संवादमात्रम्	1-4 अध्यायपर्यन्तम्	1	20
2	श्रीमद्भागवते तृतीयस्कन्धे कपिलदेवहूति संवादमात्रम्	5-8 अध्यायपर्यन्तम्	1	20
3	श्रीमद्भागवते तृतीयस्कन्धे कपिलदेवहूति संवादमात्रम्	9-12 अध्यायपर्यन्तम्	1	20
4	श्रीमद्भागवते तृतीयस्कन्धे कपिलदेवहूति संवादमात्रम्	13-16 अध्यायपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

5/02/2024

05/02/2024

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020 नूतनशिक्षानित्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषय- योगतन्त्रम्

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	नरेश्वरपरीक्षा	प्रथमकाण्डे 1-18श्लोकपर्यन्तम्	1	20
2	नरेश्वरपरीक्षा	19-36 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
3	नरेश्वरपरीक्षा	37-54 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
4	नरेश्वरपरीक्षा	55-75 श्लोकपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याड्कनम्		25

विषयः- योगतन्त्रम्

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	तन्त्रालोकः	एकादशाह्निके 1-30 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
2	तन्त्रालोकः	31-59 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
3	मृगेन्द्रागमः	विद्यापादस्य प्रथम पटलः	1	20
4	मृगेन्द्रागमः	विद्यापादस्य द्वितीय पटलः	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याड्कनम्		25

05/02/2024

5/02/2024

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

202[illegible] नूतनशिक्षानीत्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषय- योगतन्त्रम्

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

क्रमाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1	नेत्रतन्त्रम्	प्रथमोऽधिकारः	1	20
2	नेत्रतन्त्रम्	द्वितीयोऽधिकारः	1	20
3	नेत्रतन्त्रम्	तृतीयोऽधिकारः	1	20
4	नेत्रतन्त्रम्	चतुर्थोऽधिकारः	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

विषय-योगतन्त्रम्

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

क्रमाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1	योगिनीहृदयदीपिका (अमृतानन्दनाथस्य)	चक्रसंकेते 1-18 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
2	योगिनीहृदयदीपिका	19-36 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
3	योगिनीहृदयदीपिका	37-86 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
4	योगिनीहृदयदीपिका	मन्त्रसंकेते 1-12 श्लोकपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020 नूतनशिक्षानित्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः- आगमः

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	चिद्गगनचन्द्रिका-रघुनाथमिश्रकृत -क्रमप्रकाशिकाव्याख्यासहिता	1-39 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
2	चिद्गगनचन्द्रिका	40-78 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
3	चिद्गगनचन्द्रिका	79-117श्लोकपर्यन्तम्	1	20
4	चिद्गगनचन्द्रिका	118-156 श्लोकपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याड्कनम्		25

विषयः आगमः

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	योगिनीहृदयदीपिका (अमृतानन्दनाथस्य)	चक्रसंकेते 1-18 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
2	योगिनीहृदयदीपिका	19-36 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
3	योगिनीहृदयदीपिका	37-86 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
4	योगिनीहृदयदीपिका	मन्त्रसंकेते 1-12 श्लोकपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याड्कनम्		25

05/02/2024

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020 नूतनशिक्षानित्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः- आगमः

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	वरिवस्यारहस्यम् (भास्कररायकृतं सटीकम्)	1-13 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
2	वरिवस्यारहस्यम्	14-30 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
3	वरिवस्यारहस्यम्	31-47 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
4	वरिवस्यारहस्यम्	48-53 श्लोकपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

विषयः- आगमः

कक्षा- शास्त्रितृतीयवर्षम् (पञ्चम सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंड्काः
1	नित्याषोडशिकार्णवः (सेतुबन्धटीकासहितः)	प्रथमविश्रामे 1-51 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
2	नित्याषोडशिकार्णवः	52-99 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
3	नित्याषोडशिकार्णवः	100-159 श्लोकपर्यन्तम्	1	20
4	नित्याषोडशिकार्णवः	160-204 श्लोकपर्यन्तम्	1	15
5		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		25

5/02/2024

05/02/2024

शास्त्रितृतीयवर्षीये पंचमसत्रार्द्धे
नव्यन्यायविषये (प्रत्यक्षचिन्तामणेः प्रामाण्यवादान्तो भागः)
प्रथमपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	प्रत्यक्षचिन्तामणेः प्रामाण्यवादान्तो भागः	आरम्भतः मंगलवादपूर्वपक्षनिरूपणान्तो भागः	1	25
2.	प्रत्यक्षचिन्तामणेः प्रामाण्यवादान्तो भागः	मंगलवादसिद्धान्तनिरूपणान्तो भागः	1	25
3.	प्रत्यक्षचिन्तामणेः प्रामाण्यवादान्तो भागः	प्रामाण्यवादपूर्वपक्षनिरूपणान्तो भागः	1	25
4.	प्रत्यक्षचिन्तामणेः प्रामाण्यवादान्तो भागः	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रितृतीयवर्षीये पंचमसत्रार्द्धे
नव्यन्यायविषये अवयवः गादाधरी (प्रतिज्ञालक्षणान्तो भागः)
द्वितीयपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	अवयवः गादाधरी (प्रतिज्ञालक्षणान्तो भागः)	आदितः न्यायजन्यशाब्दज्ञानस्य परामर्श प्रयोजकतेतिदीधितिव्याख्यान्तो भागः	1	25
2.	अवयवः गादाधरी (प्रतिज्ञालक्षणान्तो भागः)	उचितानुपूर्वीकप्रतिज्ञादिपंचकसमुदायत्वमित्यतः अवयवत्वन्तुन्यायान्तर्गतत्वे सति प्रति ज्ञाद्यन्यतमत्वमितिदीधितिव्याख्यान्तो भागः	1	25
3.	अवयवः गादाधरी (प्रतिज्ञालक्षणान्तो भागः)	प्रतिज्ञाद्यघटकत्वे सतीत्यतः अवयवलक्षणान्तो भागः	1	25
4.	अवयवः गादाधरी (प्रतिज्ञालक्षणान्तो भागः)	आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

16.12.23

शास्त्रितृतीयवर्षीये पंचमसत्रार्द्धे
नव्यन्यायविषये (सत्प्रतिपक्षः)
तृतीयपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	सत्प्रतिपक्षः गादाधरी	आरम्भतः सत्प्रतिपक्षपूर्वपक्षनिरूपणान्तो भागः	1	25
2.	सत्प्रतिपक्षः गादाधरी	उच्यते साध्यविरोधीत्यदिचिन्तामणेः समानत्वंचागृहीतादिदीधितिव्याख्यान्तो भागः	1	25
3.	सत्प्रतिपक्षः गादाधरी	असति गृहीताप्रामाण्यकादिदीधितेः यत्तुविरोधिव्याप्यद्वयस्येत्यादिव्याख्यान्तो भागः	1	25
4.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रितृतीयवर्षीयेपंचमसत्रार्द्धे
नव्यन्यायविषये
शब्दशक्तिप्रकाशिका (नामप्रकरणान्तः)
चतुर्थपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	शब्दशक्तिप्रकाशिका	आदितः प्रकृतिलक्षणान्तो भागः	1	25
2.	शब्दशक्तिप्रकाशिका	प्रत्ययलक्षणतः वाक्यनिरूपणान्तो भागः	1	25
3.	शब्दशक्तिप्रकाशिका	नामनिरूपणात् नैमित्तिकसंज्ञानिरूपणान्तो भागः	1	25
4.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रितृतीयवर्षीये पंचमसत्रार्द्धे
प्रचीनन्यायविषये (न्यायमंजरी (प्रमाणप्रकरणान्ता)
प्रथमपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	न्यायमंजरी (प्रमाणप्रकरणान्ता)	प्रथमाह्निकम्	1	25
2.	न्यायमंजरी (प्रमाणप्रकरणान्ता)	द्वितीयाह्निकम्	1	25
3.	न्यायमंजरी (प्रमाणप्रकरणान्ता)	तृतीयाह्निकम्	1	25
4.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रितृतीयवर्षे पंचमसत्रार्द्धे
प्रचीनन्यायविषये
तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्तिके प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निके
द्वितीयपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्ति के प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निके	तात्पर्यटीकासहित त्रिसूत्रीवार्तिकम् ।	1	25
2.	तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्ति के प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निके	अथतत्पूर्वकं त्रिविधमनुमानमित्यादिसूत्रस्य तात्पर्यटीकासहितोवर्तिकान्तो भागः ।	1	25
3.	तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्ति के प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निके	गन्धरसरूपस्पर्शशब्दाः पृथिव्यादिगुणा स्तदर्थाः इति सूत्रान्तं तात्पर्यटीका सहितंवार्तिकम् ।	1	25
4.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रितृतीयवर्षे पंचमसत्रार्द्धे
प्रचीनन्यायविषये (तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्तिके प्रथमाध्यायस्य द्वितीयाह्निके)
तृतीयपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्तिके प्रथमाध्यायस्य द्वितीयाह्निके	वादलक्षणसूत्रे तदेवविकल्पानुपपत्तेः स्वपरशब्दानुपपत्तिरितिवार्तिकान्तः तात्पर्यटीकासहितो भागः ।	1	25
2.	तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्तिके प्रथमाध्यायस्य द्वितीयाह्निके	समासासम्भवाच्चेतिवार्तिकांशमारभ्य वादसूत्रव्याख्या भागः ।	1	25
3.	तात्पर्यटीकासहितन्यायवार्तिके प्रथमाध्यायस्य द्वितीयाह्निके	जल्पवितण्डयोः तात्पर्यटीकासहित वार्तिकान्तो भागः ।	1	25
4.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रितृतीयवर्षीये पंचमसत्रार्द्धे
प्रांचीनन्यायविषये (न्यायमंजरी प्रमेयप्रकरणान्ता)
चतुर्थपत्रम्

क्र.सं.	ग्रन्थाः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट्	पूर्णांकाः
1.	न्यायमंजरी (प्रमेयप्रकरणान्ता)	प्रमेयपरीक्षातः नित्यात्मसाधनान्तो भागः ।	1	25
2.	न्यायमंजरी (प्रमेयप्रकरणान्ता)	शरीरनिरूपणात् दुःखलक्षणान्तो भागः।	1	25
3.	न्यायमंजरी (प्रमेयप्रकरणान्ता)	तार्किकाभिमतापवर्गनिरूपणात् अपवर्गनिरूपणोपसंहारान्तो भागः ।	1	25
4.		आन्तरिकमूल्यांकनम्	1	25

शास्त्रिपरीक्षायां पञ्चमाधिसत्रे

प्रथमप्रश्नपत्रम्

शास्त्रदीपिकायाः प्रथमाध्यायस्य द्वितीयपादाद् द्वितीयाध्यायपर्यन्तो भागः।

क- द्वितीयतृतीयपादौ प्रथमाध्यायस्य। 20

ख- चतुर्थपादः प्रथमाध्यायस्य। 20

ग- द्वितीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ। 20

घ- द्वितीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ। 15

ङ- आन्तरिक मूल्यांकन 25

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

शास्त्रदीपिकायास्तृतीयाध्यायः।

क- प्रथमद्वितीयपादौ। 20

ख- तृतीयचतुर्थपादौ। 20

ग- पञ्चमषष्ठपादौ। 20

घ- सप्तमाष्टमपादौ। 15

ङ- आन्तरिक मूल्यांकन 25

तृतीयप्रश्नपत्रम्

शास्त्रदीपिकायाश्चतुर्थोऽध्यायः।

क- प्रथमपादः। 20

ख- द्वितीयपादः। 20

ग- तृतीयपादः। 20

घ- चतुर्थपादः। 15

ङ- आन्तरिक मूल्यांकन 25

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

शास्त्रदीपिकायाः पञ्चमोऽध्यायः

क- प्रथमपादः। 20

ख- द्वितीयपादः। 20

ग- तृतीयपादः। 20

घ- चतुर्थपादः। 15

ङ- आन्तरिक मूल्यांकन 25

[illegible] 21.12.023
अध्यक्ष

[illegible] 21.12.23
सदस्य

महेश कुमार त्रिपाठी
सदस्य

अध्यक्ष [illegible] विभाग
पूर्व मीमांसा [illegible]
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

२०२० नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः -दर्शनम्

कक्षा - शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (प्रथम-पत्रम्)

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	प्रथमोऽध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य विंशतिसूत्राणि	१	२०
२	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	प्रथमोऽध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य एकविंशतितः एकचत्वारिंशत् सूत्रपर्यन्तम्	१	२०
३	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	प्रथमोऽध्यायस्य द्वितीयाह्निकस्य प्रथमसूत्रात् विंशतिसूत्रपर्यन्तम्	१	१५
४	योगदर्शनम्	व्यासभाष्यस्य समाधिपादस्य पञ्चविंशतिसूत्रपर्यन्तम्	१	२०
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (द्वितीय-पत्रम्)

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	द्वितीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य विंशतिसूत्रपर्यन्तम्	१	२०
२	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	द्वितीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य एकविंशतितः चत्वारिंशत् सूत्रपर्यन्तम्	१	१५
३	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	द्वितीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य एकचत्वारिंशतः समाप्तिपर्यन्तम्	१	२०
४	योगदर्शनम्	व्यासभाष्यस्य समाधिपादस्य षड्विंशतिसूत्रतः समाप्तिपर्यन्तम्	१	२०
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५
	सम्पूर्ण क्रेडिट 04	संपूर्णांकः - 100		

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (तृतीय-पत्रम्)

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयाह्निकस्य विंशतिसूत्रपर्यन्तम्	१	२०
२	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयाह्निकस्य एकविंशतितः चत्वारिंशत् सूत्रपर्यन्तम्	१	२०
३	न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयाह्निकस्य एकचत्वारिंशतः समाप्तिपर्यन्तम्	१	२०
४	योगदर्शनम्	व्यासभाष्यस्य साधनपादस्य पञ्चविंशतिसूत्रपर्यन्तम्	१	१५
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५
	सम्पूर्ण क्रेडिट 04	संपूर्णांकः - 100		

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (चतुर्थ-पत्रम्)

ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	तृतीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य पञ्चविंशतिसूत्रपर्यन्तम्	१	१५
न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	तृतीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य षड्विंशतिसूत्रतः पञ्चाशत् सूत्रपर्यन्तम्	१	२०
न्यायसूत्रवात्स्यायनभाष्यम्	तृतीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य एकपञ्चाशत्सूत्रतः त्रिसप्ततिसूत्रपर्यन्तम्	१	२०
योगदर्शनम्	व्यासभाष्यस्य साधनपादस्य षड्विंशतिसूत्रतः पञ्चपञ्चाशत्सूत्रपर्यन्तम्	१	२०
	आन्तरिक मूल्याङ्कनम्		२५

29/2/24

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

२०२० नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः -तुलनात्मकदर्शनम्

कक्षा - शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (प्रथम-पत्रम्)

भारतीयदर्शनस्य मुख्यप्रवृत्तयः

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	षड्दर्शनसमुच्चयः (हरिभद्रकृतः) सर्वदर्शनसङ्ग्रहः (माधवाचार्यकृतः)	भारतीयदर्शनानां तत्त्वमीमांसादृष्ट्या, प्रमाणमीमांसादृष्ट्या च विवेचनम्	१	२०
२	षड्दर्शनसमुच्चयः (हरिभद्रकृतः) सर्वदर्शनसङ्ग्रहः (माधवाचार्यकृतः)	वैदिकदर्शनानि	१	२०
३	षड्दर्शनसमुच्चयः (हरिभद्रकृतः) सर्वदर्शनसङ्ग्रहः (माधवाचार्यकृतः)	बौद्धदर्शनानि	१	१५
४	षड्दर्शनसमुच्चयः (हरिभद्रकृतः) सर्वदर्शनसङ्ग्रहः (माधवाचार्यकृतः)	जैनदर्शनं	१	२०
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५

२९/२/२३

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (द्वितीय-पत्रम्)

भारतीयेतरदर्शनस्य मुख्यप्रवृत्तयः

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	पूर्वी और पश्चिमी दर्शन (डॉ.देवराज) दर्शनदिग्दर्शन (राहुल सांकृत्यायन)	ग्रीकदर्शनस्य परिचयः इतिहासश्च	१	२०
२	पूर्वी और पश्चिमी दर्शन (डॉ.देवराज) दर्शनदिग्दर्शन (राहुल सांकृत्यायन)	सुकरातपूर्वदार्शनिकानां विचाराः	१	१५
३	पूर्वी और पश्चिमी दर्शन (डॉ.देवराज) दर्शनदिग्दर्शन (राहुल सांकृत्यायन)	चीनीदर्शनस्य परिचयः इतिहासश्च	१	२०
४	पूर्वी और पश्चिमी दर्शन (डॉ.देवराज) दर्शनदिग्दर्शन (राहुल सांकृत्यायन)	इस्लामदर्शनस्य परिचयः इतिहासश्च	१	२०
५		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		२५

29/2/23

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (तृतीय-पत्रम्) तुलनात्मकं समाजदर्शनम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	रिपब्लिक (प्लेटो) प्राचीन भारत की सामाजिक संस्थाएँ (मिथिलाशर पाण्डेय)	प्राच्यपाश्चात्य-समाजदर्शनस्य मुख्यप्रवृत्तयः	१	२०
२	रिपब्लिक (प्लेटो) प्राचीन भारत की सामाजिक संस्थाएँ (मिथिलाशर पाण्डेय)	समाजस्य व्याख्या, समाजिकगुणानां दार्शनिकदृष्टिः,	१	२०
३	रिपब्लिक (प्लेटो) प्राचीन भारत की सामाजिक संस्थाएँ (मिथिलाशर पाण्डेय)	दार्शनिको राजा, न्याय-ज्ञानसाहसतपसां विवेचनम्।	१	१५
४	रिपब्लिक (प्लेटो) प्राचीन भारत की सामाजिक संस्थाएँ (मिथिलाशर पाण्डेय)	विद्या-कामक्रोधादिशत्रु	१	२०
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (चतुर्थ-पत्रम्)

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	एथिक्स (अरस्तु)/ भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास (भी.ला.आत्रेय)	नीतिशास्त्र का इतिहास	१	१५
२	श्रीमद्भगवद्गीता	अध्याय २,३ एवं ६	१	२०
३	बोधिचर्यावतारः	परिच्छेद १-२	१	२०
४	बोधिचर्यावतारः	परिच्छेद ३,४	१	२०
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

२०२० नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः -तुलनात्मकधर्म कक्षा - शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (प्रथम-पत्रम्) साधनात्मकदर्शनम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	योगसूत्रं व्यासभाष्यम्, नारद भक्तिसूत्र, सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः, अभिधम्मत्थसङ्गहो, जैनधर्म में उपासना (नाथूराम डोंगी)	साधनायाः परिचयः स्वारस्यम् च	१	२०
२	योगसूत्रं व्यासभाष्यम्, नारद भक्तिसूत्र, सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः, अभिधम्मत्थसङ्गहो, जैनधर्म में उपासना (नाथूराम डोंगी)	साधनायाः स्वरूपम्, धर्मदर्शनाभ्यां तस्याः पार्थक्यम् च।	१	२०
३	योगसूत्रं व्यासभाष्यम्, नारद भक्तिसूत्र, सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः, अभिधम्मत्थसङ्गहो, जैनधर्म में उपासना (नाथूराम डोंगी)	विविधसाधनासु साम्यं वैषम्यञ्च।	१	१५
४	योगसूत्रं व्यासभाष्यम्, नारद भक्तिसूत्र, सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः, अभिधम्मत्थसङ्गहो, जैनधर्म में उपासना (नाथूराम डोंगी)	तत्त्वावबोधे दर्शनात् साधनायाः पार्थक्यम्।	१	२०
५		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		२५

29/02/24

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (द्वितीय-पत्रम्)

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशाः	क्रेडिट	अङ्काः
१	संस्कारदीपकः (प्रथमद्वितीयभागौ)-नित्यानन्दपर्वतीयः, गीता(द्वितीयोऽध्यायः)	सनातनधर्मः – षोडशसंस्काराः, यज्ञयागादिविधानम्	१	२०
२	सांस्कृतम् कुरानम्	इस्लामधर्मः – तौहीद-जकात-रोजा-नमाज-रमजान महत्त्वमायोजनविधानानि	१	१५
३	धम्मपदम्	बौद्ध-जैन-फारसी-सिक्खादिधर्माणां संस्काराः कृत्यानि, पर्वाणि च।	१	२०
४	बाइबिल (पुरातन-नुतन नियमाश्च)	ईसाई-धर्मः – वपतिस्या, होलि, इखारिष्ट-पश्चात्ताप महत्त्वमायोजनविधिश्च	१	२०
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५

२९/२/२४

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (तृतीय-पत्रम्)

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	जनजातीय जीवन और संस्कृति (राजीव लोचन शर्मा) भारत के आदिवासी (ब्रह्मदत्त दीक्षित)	प्रमुखभारतीयजनजातयः - यथा संथाल-भील-नागा-गौड प्रभृतिजनजातीनां परिचयात्मकं विवरणम्	१	२०
२	जनजातीय जीवन और संस्कृति (राजीव लोचन शर्मा) भारत के आदिवासी (ब्रह्मदत्त दीक्षित)	जनजातीनां धार्मिक जीवनं, संस्काराः	१	२०
३	जनजातीय जीवन और संस्कृति (राजीव लोचन शर्मा) भारत के आदिवासी (ब्रह्मदत्त दीक्षित)	जनजाति जीवन पद्धतिः	१	१५
४	जनजातीय जीवन और संस्कृति (राजीव लोचन शर्मा) भारत के आदिवासी (ब्रह्मदत्त दीक्षित)	जानजातीनां धार्मिकजीवनविकासक्रमः	१	२०
५		आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्		२५

29/2/24

शास्त्री पञ्चमाधिसत्रम् (चतुर्थ-पत्रम्)

तुलनात्मकं धार्मिकं नीतिशास्त्रम्

अंशाः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
१	मानवनीतिविवेचनम् – प्रो.राधेश्यामधरद्विवेदी	नीतिदर्शनस्य परिभाषा	१	१५
२	मानवनीतिविवेचनम् – प्रो.राधेश्यामधरद्विवेदी	नीतिदर्शनस्य स्वरूपं वैशिष्ट्यञ्च।	१	२०
३	मानवनीतिविवेचनम् – प्रो.राधेश्यामधरद्विवेदी	धर्मदर्शनात् नीतिदर्शनस्य पार्थक्यम्	१	२०
४	मानवनीतिविवेचनम् – प्रो.राधेश्यामधरद्विवेदी	धर्मकल्पनायां पुनर्जन्मस्थानं	१	२०
५	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			२५

29/2/24